RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:186 ता. 19 जनवरी 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

हिमाचल के घटोटा से शुरू हुई यात्रा, राहुल गांधी ने की भगवान शिव की पूजा-अर्चना

भारत जोड़ो यात्रा हिमाचल प्रदेश के घटोटा से शुरू हुई। यात्रा शुरू करने से पहले जनता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यात्रा का हिमाचल से आने का रूट नहीं था। लेकिन प्रदेश की जनता का प्यार उन्हें इसे खींच लाया।

शिमला। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा हिमाचल प्रदेश के घटोटा से शुरू हुई। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू और उनका पूरा मंत्रिमंडल व विधायक सुबह सात बजे यात्रा में शामिल हुए। यात्रा सुबह 11 बजे तक क्षत्रिय कॉलेज इंदौरा तक चलेगी। राहुल यहां पर चार घंटे आराम करेंगे। फिर नादौन काठगढ़ से तीन बजे यात्रा शुरू होगी। शाम 5.30 बजे मलोट में जनसभा के साथ यात्रा खत्म होगी।

कांगड़ा जिले के इंदौरा के मीलवां के रास्ते इस पदयात्रा ने देवभूमि में प्रवेश किया है। दिनभर 24 किलोमीटर पदयात्रा के बाद राहुल गांधी मलौट में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। हिमाचल में यात्रा शुरू होने से पहले मीलवां में फ्लैग हैंड-ओवर सेरेमनी की गई।

इस दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह समेत सुक्खू सरकार के मंत्री, विधायक और कांग्रेस नेता मौजूद रहे । इससे पहले राहुल गांधी ने प्राचीन मंदिर काठगढ़ में भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।

यात्रा शुरू होने से पहले राहुल गांधी ने संबोधित करते हुए कहा कि यात्रा का हिमाचल से आने का रूट नहीं था। लेकिन प्रदेश की जनता का प्यार उन्हें इसे खींच लाया। उन्होंने कहा कि 30 जनवरी को श्रीनगर पहुंचना है, ऐसे में दिन कम थे तो हिमाचल का प्लान नहीं बन पा रहा था।

हिमाचल प्रदेश के घटोटा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि 3-4 लोगों के लिए पूरी सरकार चलाई जा रही है। जो भी होता है वह उन लोगों के लिए होता है, हमारे किसान, मजदूर, युवा के लिए नहीं किया जाता। भारत की सरकार जो भी करती है वह भारत के 2-3 सबसे बड़े अरबपतियों की मदद करने के लिए करती है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमने अपने मुद्दे संसद में उठाने की कोशिश की लेकिन वहां मुद्दे उठाने नहीं दिए गए। भारत की संस्थाओं जैसे न्यायपालिका, प्रेस आदि से भी बात नहीं उठा सकते क्योंकि सब पर RSS-BJP का दबाव है। इसलिए हमने यह यात्रा निकाली है।

इस दौरान राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस पर देश में नफरत फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश के सभी संस्थान आज के दौर में दबाव में काम कर रहे हैं। संसद में भी सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। इस कारण ही उन्होंने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने का फैसला लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दी ताजमहल के पास टर्मिनल बनाने की मंजूरी, 55 एकड़ जमीन की जा चुकी अधिग्रहीत

नई दिल्ली। खेरिया स्थित आगरा हवाईअड्डे से अब और उड़ानों की आवाजाही हो सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने पूर्व आदेश में संशोधन करते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) की याचिका पर सुनवाई करते हुए आगरा हवाईअड्डे से उड़ानों की संख्या बढ़ाने की अनुमति दे दी है। इस आदेश से धनौली में प्रस्तावित नए सिविल एन्क्लेव को बनाने का उद्देश्य भी पूरा हो सकेगा। इसके लिए 55 एकड़ जमीन अधिग्रहीत की जा चुकी है। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने आवेदन पर सुनवाई करते हुए टर्मिनल के निर्माण और उड़ानों की संख्या बढ़ाने पर निर्देश पारित किया। एएआई ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दायर कर 11 दिसंबर, 2019 के आदेश में संशोधन की मांग की थी। उस आदेश में अदालत ने केंद्र को अगले आदेश तक आगरा हवाई क्षेत्र पर हवाई यातायात को बढ़ाने के लिए कोई अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया था।

आगरा हवाईअड्डे से उड़ानों की संख्या बढ़ाने की अनुमति

अपनी याचिका में एयरपोर्ट अथारिटी ने यही तर्क दिया कि धनौली में प्रस्तावित एन्क्लेव का निर्माण नहीं किया जा सकता, जब तक कि हवाई उड़ानों की संख्या नहीं बढ़ाई जाती। इसीलिए अथारिटी ने बीते साल एन्क्लेव के निर्माण को ही ड्रॉप कर दिया। एन्क्लेव का टेंडर भी टाटा प्रोजेक्ट्स को दिया जा चुका था और मिट्टी के सैंपल लेकर कंपनी जांच भी करा चुकी थी, लेकिन हवाई उड़ानों की संख्या बढ़ाने पर रोक के कारण एयरपोर्ट अथारिटी ने 398 करोड़ रुपये की योजना को रोक दिया था।

33,400 वर्गमीटर में बनेगा नया सिविल एन्क्लेव-योजना को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने और पर्यटकों के प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा सिविल एन्क्लेव की जगह नए सिविल एन्क्लेव का विकास प्रस्तावित किया है। एएआई का कहना था कि 33,400 वर्गमीटर के भवन क्षेत्र वाला नया एन्क्लेव उस क्षेत्र पर प्रस्तावित है, जो ताज ट्रेपिजियम जोन की भौगोलिक सीमा के अंदर आता है। प्रस्तावित क्षेत्र सभी बाधाओं से मुक्त है और उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे स्थानांतरित कर दिया है।

झारखंड में अब अलकतरा घोटाला, ईडी ने जब्त की आरोपी की 90.38 लाख की संपत्ति

रांची। प्रवर्तन निदेशालय ने कौशल्या निर्माण प्राइवेट लिमिटेड और कौशल्या टाउनशिप की सात अचल संपत्तियों को जब्त किया। ईडी के द्वारा जब्त इन संपत्तियों की कीमत 90 लाख 38 हजार 912 रुपये आंकी गई है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई में दर्ज केस के आधार पर ईडी ने मेसर्स कौशल्या निर्माण प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मनी लाउंड्रिंग का केस दर्ज किया था।

कंपनी ने झारखंड में सड़क निर्माण का लिया था ठेका-ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, कंपनी ने झारखंड में सड़क निर्माण का ठेका लिया था। इस दौरान अलकतरा की खरीद का फर्जी इन्वॉयस बनाकर पथ निर्माण विभाग को भेजा गया था। इस वजह से सरकार को एक करोड़ 8 लाख 95 हजार 583 रुपये का नुकसान हुआ था। सीबीआई ने इस मामले में चार्जशीट दायर की थी, जिसके बाद मनी लाउंड्रिंग का मामला दर्ज किया गया था।

● ईडी के अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई में दर्ज केस के आधार पर ईडी ने मेसर्स कौशल्या निर्माण प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मनी लाउंड्रिंग का केस दर्ज किया था।

ईडी ने घोटाले की शत प्रतिशत राशि जब्त की-ईडी ने पूर्व में इस मामले में छापेमारी की थी, तब ईडी ने 18 लाख 40 हजार 989 रुपये बैंक खातों से जब्त किए थे। ईडी ने दावा किया है कि एजेंसी ने प्रोसिड आफ क्राइम से जमा की गई शत प्रतिशत राशि को जब्त कर लिया है।

सेवानिवृत्त डीजी पंकज कुमार सिंह बने उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, एनएससीएस ने की घोषणा

नई दिल्ली। बीएसएफ के सेवानिवृत्त डीजी पंकज कुमार सिंह को डिप्टी एनएसए (उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) नियुक्त किया हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के अनुसार राजस्थान कैडर के 1988 बैच के आइपीएस अधिकारी सिंह को दो साल के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया है। डीजी पंकज कुमार सिंह 31 दिसंबर, 2022 को बीएसएफ प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, राजस्थान कैडर के 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी सिंह को पुनः रोजगार अनुबंध पर नियुक्त किया गया है। पकंज कुमार सिंह ने पहले केंद्र सरकार के साथ छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर जनरल के पद पर काम किया है। उन्होंने दिल्ली में सीआरपीएफ मुख्यालय में आईजी (संचालन) के रूप में भी कार्य किया था। बीएसएफ डीजी बनने से पहले पंकज सिंह ने बीएसएफ में भी काम किया था। सूत्रों का कहना है कि ईस्टर्न फ्रंटियर के चीफ के रूप में उन्होंने पश्चिम बंगाल और असम की सीमाओं के माध्यम से मवेशियों की तस्करी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी सक्रिय भूमिका से साल 2015 से 2021 के बीच भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशियों की तस्करी में 87 प्रतिशत की गिरावट आई है।

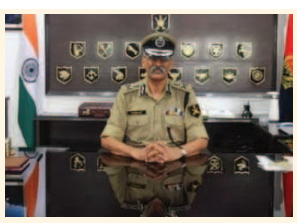

● पकंज कुमार सिंह ने पहले केंद्र सरकार के साथ छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर जनरल के पद पर काम किया है। उन्होंने दिल्ली में सीआरपीएफ मुख्यालय में आईजी (संचालन) के रूप में भी कार्य किया था। बीएसएफ डीजी बनने से पहले पंकज सिंह ने बीएसएफ में भी काम किया था।

BSF की महिला सैनिकों को मोटरसाइकिल कलाबाजी दिखाने में किया था प्रोत्साहित

पंकज सिंह जब बीएसएफ के डीजी बने थे तो उन्हें बीएसएफ क्षेत्राधिकार में विवादास्पद संशोधन पर बातचीत करनी पड़ी थी। बीएसएफ क्षेत्राधिकार को सीमा से 50 किमी तक बढ़ा दिया गया क्योंकि कई राज्यों ने इसका विरोध किया था। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड में बीएसएफ की महिला सैनिकों को मोटरसाइकिल की सवारी के कलाबाजी दिखाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बाद बीएसएफ की महिला मोटरसाइकिल सवारों ने देशव्यापी दौरा भी किया था।

बीएसएफ के स्थापना दिवस मनाने को विचार किया था पेश

राजस्थान के जैसलमेर में 2021 में उन्होंने बीएसएफ का स्थापना दिवस मनाने का विचार पेश किया था। तो वहीं उनके विचार ने सरकार को इतना प्रभावित किया कि सरकार ने अब सभी अर्धसैनिक बलों और यहां तक ??कि सेना को भी दिल्ली से बाहर अपना स्थापना दिवस मनाने का निर्देश दिया है। बता दें कि बीएसएफ के सेवानिवृत्त डीजी पंकज कुमार सिंह के पास आईआईएम, अहमदाबाद से एमबीए के अलावा एलएलबी और एमफिल की डिग्री है।

कोहरे की चपेट में रेलवे, घंटों की देरी से चल रही कई ट्रेनें

नई दिल्ली। उत्तर भारत में जारी शीतलहर का असर ट्रेनों पर भी देखने को मिल रहा है। कोहरे के कारण कई ट्रेनें रद्द कर दी गई है। वहीं, कई ट्रेनें काफी देरी से चल रही है। खासकर उत्तर भारत की ट्रेनें तय समय से काफी देरी से चल रही है। भारतीय रेलवे ने बुधवार सुबह बताया कि कोहरे के कारण उत्तर रेलवे क्षेत्र में छह ट्रेने तय समय से देरी से चल रही है।

कई घंटों की देरी से चल रही है ट्रेनें-जानकारी के अनुसार, कोहरे के कारण ट्रेनें तय समय से एक घंटा से लेकर चार घंटे तक की देरी से चल रही है। इनमें अधिकतर उत्तर भारत की ट्रेनें शामिल हैं।

मंगलवार को कई ट्रेनें हुई थी कैंसिल-बता दें कि इन दिनों उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके साथ कई ईलाकों में कोहरा और धुंध भी छाई रहती है, जिसका असर रेलवे की सेवाओं पर देखा जा रहा है। मंगलवार को भी रेलवे ने 361 ट्रेनें रद की थी, जिसमें से 320 ट्रेनों को पूरी तरह से निरस्त कर दिया गया था, जबकि 41 ट्रेनों को आंशिक रूप से निरस्त किया गया था।

कोहरे के कारण कई ट्रेनों को किया गया था रीशेड्यूल-इसके अलावा 16 ट्रेनों को रीशेड्यूल और सात ट्रेनों को डायवर्ट किया गया था। रद, रीशेड्यूल और डायवर्ट की गई ट्रेनों में पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब, झारखंड, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों से चलने वाली गाड़ियां थीं। पिछले कुछ दिनों से लगातार कई ट्रेनें रद हो रही है या काफी देरी से चल रही है।

आखिरकार भारत में बनने लगीं एके-203 असॉल्ट राइफलें, पहली खेप तैयार

नई दिल्ली। आखिरकार एक दशक तक इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले की कोरवा आयुध फैक्ट्री में एके-203 असॉल्ट राइफलों का उत्पादन शुरू हो गया है। इतना ही नहीं, 7.62 एमएम कलाश्निकोव की पहली खेप तैयार होने के बाद जल्द ही भारतीय सेना को डिलीवरी होने की उम्मीद है। इसी के साथ भारत विश्व प्रसिद्ध ब्रांड कलाश्निकोव की एके-200 सीरीज की असॉल्ट राइफलों का उत्पादन शुरू करने वाला पहला देश बन गया है। रूस के सहयोग से उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित कोरवा ऑर्डिनेंस फैक्टरी में एके-203 राइफलों का निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 मार्च, 2019 को इस योजना का औपचारिक उद्घाटन किया था। इस परियोजना को इंडो-रशियन जॉइंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाएगा। यह राइफल एडवांस वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड, मियूनीशेंन्स इंडिया लिमिटेड और रूस की रोसोबोरोनएक्सपोर्ट और कॉनकॉर्न कलाशनिकोव मिलकर बना रही है। 7.62 X 39 एमएम कैलिबर की पहली 70 हजार एके-203 राइफल्स में रूसी कलपुर्जे लगे होंगे, लेकिन इसके बाद पूरी तरह से यह राइफल स्वदेशी हो जाएगी। यह राइफल्स काउंटर इंसर्जेंसी और काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस में भारतीय सेना की क्षमता को बढ़ाएंगी। रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के महानिदेशक अलेक्जेंडर मिखीव ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि रूस और भारत के संयुक्त उद्यम इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के अमेठी में कोरवा आयुध कारखाने में एके-203 कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल का उत्पादन शुरू कर दिया है। अमेठी के कोरवा आयुध कारखाने में 7.62 मिमी. कलाशनिकोव एके-203 असॉल्ट राइफलों के पहले बैच का उत्पादन किया है। इन राइफलों का परीक्षण होने के बाद जल्द ही भारतीय सेना को डिलीवरी शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह राइफलें दुनिया भर की आग्नेयास्त्रों के मामले में आधुनिक जरूरतों को पूरा करती हैं। मिखीव ने कहा कि अमेठी स्थित असॉल्ट राइफल्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में भारतीय सशस्त्र बलों को एके-203 राइफलों से पूरी तरह लैस करने की क्षमता है। इसके अलावा संयुक्त उद्यम अपने उत्पादों को तीसरे देशों में निर्यात करने में सक्षम होगा। रूस और भारत सैन्य-तकनीकी सहयोग परियोजनाओं को लागू करना जारी रखेंगे। रोसोबोरोनेक्सपोर्ट का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण मामले में भारतीय पक्ष को सहयोग करके 'मेक-इन-इंडिया' पहल को आगे रखना है। भविष्य में कंपनी कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल प्लेटफॉर्म पर आधारित उन्नत राइफलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनी उत्पादन सुविधाओं को अपग्रेड कर सकती है। रोस्टेक के जनरल डायरेक्टर सर्गेई चेमेज़ोव ने कहा कि भारत में निर्मित एके-203 राइफलों का मॉडल उत्कृष्ट एर्गोनॉमिक्स के साथ दुनिया में सबसे अच्छी अटैक राइफल्स में से एक है।

'सबको सम्मान से मरने का अधिकार', इच्छामृत्यु के नियमों में सुधार को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। पैसिव इच्छामृत्यु को लेकर अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाने के चार साल बाद सुप्रम कोर्ट ने 2018 के दिए निर्देशों में संशोधन करने को लेकर सहमति जताई है। कोर्ट ने कहा है कि जो लोग गंभीर रूप से बीमार हैं और लिविंग विल बना चुकें हैं उनको सम्मान के साथ मरने का अधिकार है। उन्हें कानूनी पेच में नहीं फंसाना चाहिए और मेडिकल एक्सपर्ट्स को भी इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई अपना इलाज बंद करवाना चाहता है तो उसे अनुमति देने का भी नियम होना चाहिए। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, कोर्ट ने मृत्यु के अधिकार को भी मौलिक अधिकार बताया था। अब इसे पेचीदा नहीं बनाना चाहिए। इस बेंच में जस्टिस अजय रस्तोगी, अनिरुद्ध बोस, ह्रषिकेष रॉय और जस्टिस सीटी रविकुमार शामिल थे। बेंच ने कहा कि 2018 में लिविंग विल के बारे में बनाए गए दिशानिर्देशों में सुधार की जरूरत है। बेंच ने कहा, मौजूदा दिशानिर्देश बोझिल हैं और उन्हें सरल बनाने की जरूरत है। लेकिन हमें सावधानी भी रखनी है कि उनका गलत इस्तेमाल ना हो। बता दें कि कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें किसी शख्स के मरणासन्न होने पर इलाज बंद करने के लिए प्रक्रिया पर दिशानिर्देश दिए गए थे। 2018 के फैसले के मुताबिक कोई भी बालिग व्यक्ति अपनी लिविंग विल बना सकता है और दो अटेस्टिंग विटनेस की मौजूदगी में इसपर साइन होने चाहिए और इसके बाद संबंधित जूडिशल मजिस्ट्रेट इसकी इजाजत देता है।

गुलाम नबी आजाद के साथ कांग्रेस ने कर दिया खेला! पहले 17 ने छोड़ा अब कई और करेंगे घर वापसी

नियम के मुताबिक अगर कोई मरीज मरणासन्न हो जाता है और लंबे इलाज के बाद भी सुधार की कोई गुंजाइश नहीं होती तो डॉक्टरों को एक्सपर्ट्स का बोर्ड बनाना होता है जिसमें जनरल मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, साकियात्री और ऑन्कोलॉजी के डॉक्टर होत हैं। यह बोर्ड मरीज के परिवार के आग्रह पर बनाया जाता है। मेडिकल बोर्ड से प्रमाणन के बाद डीएम एक दूसरा बोर्ड बनाता है। दूसरे मेडिकल बोर्ड से मंजूरी के बाद डीएम इसपर फाइनल फैसला करता है। अगर अस्पताल का मेडिकल बोर्ड इलाज बंद करने की इजाजत नहीं देता है तो परिवार के लोग हाई कोर्ट जा सकते हैं। वहां भी एक मेडिकल बोर्ड बनाया जाता है जिसकी राय पर हाई कोर्ट फैसला करता है।

सीनियर वकील अरविंद दातार और प्रशांत भूषण ने याचिकाकर्ता की तरफ से कहा कि यह तीन चरणों की प्रक्रिया 2018 के पूरे फैसले को ही नगण्य कर देता है। अब तक ऐसा हो ही नहीं पाया है कि कोई पैसिव इच्छामृत्यु चाहने वाला व्यक्ति यह प्रक्रिया पूरी कर पाया हो। बेंच ने भी कहा कि नियमों में थोड़ा बदलाव की जरूरत है। लेकिन हमें बहुत सतर्क भी रहना है कि किसी के जीवन के मायने कम ना हों। डॉक्टर भगवान नहीं हैं जो कि हर बात की पुख्ता जानकारी दे सकें। वे मौसम वैज्ञानिक की तरह होते हैं जो कि विज्ञान के आधार पर बताते हैं। हम मेडिकल साइंस के जानकार नहीं हैं। इसलिए दिशानिर्देशों में सुधार करते वक्त बहुत सतर्क रहने की जरूरत है।

जहांगीरपुरी आतंकी मामले की जांच में दिल्ली पुलिस ने किया खुलासा हिजबुल के संपर्क में थे आतंकी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस फोर्स ने जहांगीरपुरी आतंकी मामले की जांच करते हुए बड़ी कामयाबी हासिल की है। दिल्ली पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि पकड़े गए दो आतंकियों नौशाद और जगजीत उर्फ जग्गा पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं के साथ निकट संपर्क में थे। दोनों आतंकियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि आतंकियों और गैंगस्टरों के साथ उनके गहरे संबंध थे। पुलिस ने खुलासा किया है कि दोनों आतंकी हरकत उल अंसार में नजीर भट नासिर खान और नज़ीर खान के संपर्क में थे। ये सभी आतंकी पाकिस्तानी आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन से ताल्लुक रखते है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस की टीम के साथ पूछताछ में दोनों आतंकी कबूल कर चुके हैं कि उनके तीन आतंकी आकाओं के साथ संपर्क में थे। सिर्फ यही नहीं पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि भारत के कई गैंगस्टर समूहों के संपर्क में सभी आतंकी थे। आतंकियों ने गैंगस्टर सुनील राठी नीरज बवाना इरफान व छेनू हाशिम बाबा इबले हसन और इमरान पहलवान के गैंग के नाम का खुलासा किया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस अब अन्य आतंकियों की भी तलाश में जुटी हुई है। वहीं पुलिस की पूछताछ में यह भी साफ हुआ है कि पाकिस्तान की आतंकी एजेंसी आईएसआई खालिस्तानी आतंकियों के साथ मिलकर भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में जुटी हुई है। आतंकी एजेंसियों ने अपने मंसूबों को सफल करने के लिए लोकल गैंगस्टर्स की मदद से आतंकी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में हैं।

शराब तस्करों ने एक सिपाही को नदी में डुबो कर मार डाला

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर जिले में शराब माफियाओं के खिलाफ छापेमारी के दौरान शराब तस्करों ने आबकारी विभाग के एक सिपाही को बूढ़ी गंडक नदी में डुबो कर मार डाला। भागलपुर के खगेश प्रसाद साह के पुत्र दीपक कुमार (23) के रूप में हुई है। गोताखोरों ने उसके शव को बाहर निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। दीपक की दो साल पहले आबकारी विभाग में प्रतिनियुक्ति हुई थी। यह घटना दरदह में सकरा-मुसहरी सीमा पर नदी के क्षेत्र में लगभग 12.30 बजे हुई जब एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आबकारी विभाग की एक टीम बूढ़ी गंडक नदी के किनारे शराब बनाने वालों को गिरफ्तार करने गई थी। पुलिस को देखकर वे एक नाव की ओर भागने लगे। दीपक ने उसमें से दो को पकड़ लिया लेकिन वे उस खींचकर एक छोटी नाव पर ले गए। मुठभेड़ के बाद उन्होंने उसे नदी में फेंक दिया। वह तेज धारा में फंस गया और डूब गया। सकरा-मुसहरी क्षेत्र में अवैध शराब बनाने की सूचना मिलने पर 20-20 सदस्यों की दो टीमें दियारा इलाके में भेजी गई थी। एक चश्मदीद के मुताबिक करीब सात धंधेबाज नदी किनारे शराब बना रहे थे। टीम मौके पर पहुंची वे भागने लगे। कांस्टेबल और चश्मदीद ने कहा कि उसने चिल्लाने की आवाज सुनी और दो शराब तस्करों को दीपक को नदी में घसीटते हुए देखा। जब तक हम वहां पहुँचे वे एक छोटी नाव पर सवार हो चुके थे घसीट कर ले गए और दीपक को नदी में फेंक दिया। अंधेरा होने के कारण हम समय पर उनके पास नहीं पहुंच सके।

नेपाल विमान हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा

-मुख्यमंत्री योगी ने की घोषणा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेपाल विमान हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। योगी ने कहा कि नेपाल से शव लाने में आने वाला खर्च सरकार उठाएगी। इस बीच नेपाल के पोखरा में 15 जनवरी को दुर्घटना में मारे गए चार युवकों के परिजन शव की शिनाख्त के लिए काठमांडू पहुंचे। हालांकि शवों की पहचान सुनिश्चित करने की प्रक्रिया के पूरा होने का इंतजार किया जा रहा था। गाजीपुर के जिलाधिकारी अरयाका अखौरी ने कहा कि विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्य जिसमें सोनू जायसवाल अनिल राजभर विशाल शर्मा और अभिषेक कुशवाहा शामिल हैं मंगलवार शाम काठमांडू पहुंचे हैं। पोखरा से शव काठमांडू नहीं पहुंचे थे इसकारण अधिकारियों को उम्मीद थी कि डीएनए मिलान सहित शव की पहचान की प्रक्रिया बुधवार को पूरा होने की उम्मीद है।

उज्जैन महाकाल में अन्न क्षेत्र के लिए 3 करोड दान देंगे अनिल अंबानी

उज्जैन। रिलायंस समूह के उद्योगपति अनिल अंबानी ने मंगलवार को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की पूजा की। उनके साथ बीसीएम समूह के राजेश मेहता भी दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। दर्शन और पूजा के पश्चात उन्होंने इच्छा जाहिर की। वह महाकाल मंदिर में जो अन्न क्षेत्र का निर्माण किया जा रहा है। उसके लिए वह 3 करोड़ रुपए का दान करेंगे। अनिल अंबानी ने कहा कि वह 2007 के बाद महाकाल के दर्शन करने आए हैं। अब उनका वनवास खत्म हो गया है। वह अब लगातार महाकालेश्वर के दर्शन का लाभ लेंगे।

राम मंदिर को लेकर नायब तहसीलदार के बयान पर भड़के अयोध्या का संत समाज की पद से हटाने की मांग

अयोध्या । उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सेवराई तहसील में तैनात नायब तहसीलदार हिम्मत बहादुर के द्वारा राम मंदिर को लेकर दिए गए विवादित बयान पर अयोध्या के संतों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। संत समाज ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार को आड़े हाथों लिया। रामलीला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने गाजीपुर के नायब तहसीलदार को नास्तिक बताया। रामलला के प्रधान पुजारी ने यह मांग की है कि उन्हें तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटाते हुए मुकदमा पंजीकृत किया जाए और और जेल भेजा जाए। संत समाज ने कहा कि सवा सौ करोड़ हिंदुओं की आत्मा को ठेस पहुंचाने वाले व्यक्ति को उसके पद से हटाते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए और सनातन धर्म पर उंगली उठाने वाले का सिर कलम कर दिया जाए। दरअसल उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सेवराई तहसील में तैनात नायब तहसीलदार हिम्मत बहादुर ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को दुकानदारी बताते हुए कहा कि जो लोग मंदिर जाते हैं वे बेवकूफ है। रामलला के प्रधान पुजारी ने कहा कि गाजीपुर के नायब तहसीलदार का बयान निंदनीय है। जिन रामलला की लोग उपासना करते हैं और अपने आपको धन्य मानते हैं। उन रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है। भगवान में आस्था रखने वाले को तहसीलदार बेवकूफ कह रहे हैं। आचार्य सत्येंद्र दास ने हिम्मत बहादुर को महामूर्ख करार देते हुए कहा कि न तो इनको मंदिर का ज्ञान है न ही पूजा-अर्चना का। रामलला के प्रधान पुजारी ने मांग करते हुए कहा कि ऐसे व्यक्ति को उनके पद से हटा दिया जाना चाहिए। इस तरह के बयान से हमारा सनातन धर्म पुजारी और पूजा अर्चना करने वाले आहत होते हैं। राष्ट्रवादी बाल संत दिवाकराचार्य ने कहा कि अब भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं रह गया। जिस प्रकार से भारतीय संस्कृत और मूलभूत हिंदुओं की आस्था पर ठेस पहुंचाया जा रहा है अब भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने का समय आ गया है।

बीएसएफ ने फिर पाक से आए ड्रोन को खदेड़ा हथियारों की खेप बरामद

नई दिल्ली । पंजाब के गुरदासपुर में बीएसएफ ने एक बार फिर पाकिस्तान की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ के जवानों ने पंजाब के गुरदासपुर में भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग कर उसे खदेड़ दिया। तलाशी के दौरान जवानों ने ड्रोन से भेजे गए कई हथियार भी बरामद किए। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया 17/18 जनवरी की रात पंजाब के गुरदासपुर जिले के उंचा टकला गांव के बाहरी इलाके में तैनात बीएसएफ के एक दल ने पाकिस्तान की तरफ से आने वाले एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी गई। बीएसएफ की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ड्रोन की आवाज की दिशा में फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान जवानों को पास के इलाके में कुछ गिरने की आवाज भी सुनाई दी।

हिमाचल पहुंची भारत जोड़ो यात्रा कांगड़ा के प्रसिद्ध काठगढ़ मंदिर में राहुल गांधी ने की पूजा अर्चना

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत जोड़ो यात्रा की हिमाचल प्रदेश में एंट्री हो गई है। मंगलवार सुबह पंजाब से कांगड़ा के यह यात्रा हिमाचल में दाखिल हुई। इस दौरान राहुल गांधी कांगड़ा के प्रसिद्ध काठगढ़ मंदिर पहुंचे और यहां पूजा अर्चना की। मंगलवार सुबह कांगड़ा जिले के इंदौरा के मीलवां के रास्ते पैदल यात्रा देवभूमि में प्रवेश हुई और इस दौरान फ्लैग एक्सचेंज सेरेमनी भी हुई। इस दौरान हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह सीएम सुखविंदर सुक्खू के अलावा कैबिनेट मंत्री भी मौजूद रहे।

यात्रा शुरू होने के बाद राहुल कांगड़ा के इंदौरा के काठगढ़ महादेव मंदिर पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने शिव-पार्वती की आराधना की। इस दौरान मीडिया को अंदर जाने नहीं दिया गया। गौरतलब है इस मंदिर में विराजमान शिवलिंग दुनिया का पहला ऐसा शिवलिंग है जो 2 भागों में विभाजित है। इसके एक भाग को शिव तो दूसरे को मां पार्वती का रूप माना जाता है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग अष्टकोणीय है। शिव के रूप में पूजे जाने वाले शिवलिंग की ऊंचाई तो 8 फीट है वहीं माता पार्वती के रूप में पूजे जाने वाले हिस्से की ऊंचाई 6 फीट है। मंदिर में यात्रा के बाद राहुल गांधी ने टी-ब्रेक भी लिया और यात्रा एक बार फिर अगले पड़ाव क्षत्रित कॉलेज इंदौरा के लिए रवाना हुई है और यहां पर राहुल रुके हैं।

वहीं पंजाब में सुरक्षा चूक के बाद यहां पर राहुल गांधी की सुरक्षा दोगुनी की गई है। उनके साथ 400 पुलिस जवान और करीब 100 अफसरों की फौज चल रही थी। राहुल गांधी दिन भर करीब 24 किलोमीटर की पदयात्रा के बाद इंदौरा के मलौट में एक जनसभा संबोधित करके प्रदेश कांग्रेस में जोश भरेंगे। यात्रा शुरू करने से पहले मंच से राहुल गांधी ने कहा कि हमने नफरत के खिलाफ यात्रा शुरू की है। देश में बेरोजगारी और महंगाई दो मुद्दों को भी लेकर यह यात्रा शुरू की है। राहुल ने कहा कि हम हिमाचल से निकल रहे हैं हमने हिमाचल के लिए रूट बदल दिया।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर सुब्बाराव की वित्तमंत्री को सलाह... उन्हें रेवड़ियों से बचना चाहिए

- बजट में लोकलुभावन घोषणाएं नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्तीय वर्ष 2023-24 का आम बजट पेश करेंगी। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी फुल बजट है। अगले साल देश में आम चुनाव होने हैं। इसकारण माना जा रहा है कि इस बार बजट में लोकलुभावन घोषणाओं पर जोर हो सकता है लेकिन आरबीआई के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव का कहना है कि बजट में लोकलुभावन घोषणाओं की जगह परफॉरमेंस पर बात होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बजट में रेवड़ियां बांटने के बजाय रोजगार पैदा करने पर जोर देना चाहिए। इससे गरीब आबादी का भला होगा। सुब्बाराव ने सुझाव दिया कि इसतरह के सेक्टर्स को पीएलआई स्कीम में लाना चाहिए जहां बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर सुब्बाराव ने वित्त मंत्री को बजट के लिए कुछ सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें की जा रही हैं कि इस बजट में वित्त मंत्री लोकलुभावन योजनाओं की झड़ी लगा देंगी। अगर वह ऐसा करती हैं तब इससे मुझे हैरानी होगी। इसकी वजह है कि महामारी में उन्होंने काफी समझबूझ के साथ जरूरत के मुताबिक खर्च किया। इसकारण उस अनुशासन को बनाए रखने की जरूरत है। जो सरकार दस साल से सत्ता में है उस वादों के आधार पर नहीं बल्कि परफॉरमेंस के आधार पर चुनाव में जाना चाहिए। उन्हें रेवड़ियों से बचना चाहिए।

सुब्बाराव ने कहा कि भारत सात फीसदी की दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ेती अर्थव्यवस्था है। हम आज तेजी से बढ़ रहे हैं क्योंकि महामारी के दौरान हम सबसे ज्यादा गिरे थे। कई देशों ने महामारी के पूर्व ग्रोथ की रफ्तार पकड़ ली है लेकिन हम अभी वहां तक नहीं पहुंचे हैं। 2021-22 में एवरेज इनकम रियल टर्म में 2018-19 के मुकाबले कम रही। गरीब आबादी पर इसका सबसे ज्यादा असर हुआ है। इसलिए बजट में पूरा जोर ग्रोथ पर होना चाहिए। ग्रोथ के लिए निवेश जरूरी है। आज हम जो निवेश करते हैं वह भविष्य की नींव रखेगा। पिछले दो साल में वित्त मंत्री ने चतुराई के साथ पब्लिक निवेश किया है। इस बजट में भी यह दौर जारी रहना चाहिए। आरबीआई के पूर्व गवर्नर का कहना है कि बजट में रोजगार सृजन पर जोर होना चाहिए। नौकरियों से ही देश की गरीब आबादी की इनकम बढ़ेगी। इससे ग्रोथ बढ़ेगी और देश समृद्धि की ओर बढ़ेगा। बेरोजगारी की समस्या का कोई आसान समाधान नहीं है। केवल ग्रोथ से यह हल नहीं होगा। हमें नौकरी पैदा करने वाली ग्रोथ चाहिए।

मांसाहारी भोजन पर 'प्रतिबंध' को लेकर हंसराज कॉलेज में छात्रों का समूह करेगा प्रदर्शन

नयी दिल्ली। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) से जुड़े छात्रों के एक समूह ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के हंसराज कॉलेज में मांसाहारी भोजन ''बंद'' करने और ''परिसर के भगवाकरण'' के कथित प्रयासों के विरोध में प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। एसएफआई की हंसराज कॉलेज इकाई ने एक बयान में कहा कि मांसाहारी भोजन पर ''प्रतिबंध'' के खिलाफ कॉलेज परिसर के अंदर विरोध हो रहा है और 20 जनवरी को हंसराज छात्रावास के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। छात्रों ने कहा कि महामारी के बादपिछले साल फरवरी में फिर से खुलने के बाद हंसराज कॉलेज ने अपने कैंटीन और छात्रावास में मांसाहारी भोजन परोसना बंद कर दिया था। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक आदेश नहीं आया है। एसएफआई ने दावा किया कि ऐसे मामले भी सामने आए हैं जहां हंसराज प्रशासन ने छात्रावास में अंडा लेकर आने वाले छात्रों से अंडे जब्त कर लिए। छात्र समूह ने कहा कि हंसराज छात्रावास के भीतर एक सर्वेक्षण किया गया जिसमें लगभग 75 प्रतिशत छात्र मांसाहारी पाए गए। इसने कहा कि हंसराज कॉलेज की प्रधानाचार्य रमा शर्मा ने पहले दावा किया था कि कॉलेज के 90 प्रतिशत छात्र शाकाहारी हैं। एसएफआई के बयान में कहा गया है, ''हंसराज के अधिकांश छात्र मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध के खिलाफ हैं और इसे सांस्कृतिक आधिपत्य स्थापित करने के प्रयास के रूप में देखते हैं। जब इन मुद्दों को परिसर में उठाया गया तो इसे दबाने के लिए दक्षिणपंथी ताकतों ने हिंसक प्रतिक्रिया की।'' इसने कहा, ''दक्षिणपंथी ताकतों की यह प्रतिक्रिया और इसके प्रति प्रशासन का रवैया विश्वविद्यालय परिसरों के भगवाकरण की कोशिश को दर्शाता है।'' एक छात्रावास में रहने वाले तृतीय वर्ष के छात्र आलोक शर्मा ने कहा कि कॉलेज ने अचानक मांसाहारी भोजन परोसना बंद कर दिया। उन्होंने कहा, ''हमें ऐसे किसी आदेश के बारे में सूचित नहीं किया गया। मुझे नहीं लगता कि कोई आदेश जारी किया गया है। यह अनुचित है। हम अपने परिवार से दूर रह रहे हैं और हमें उचित पौष्टिक भोजन की जरूरत है।

'भारत और मालदीव अच्छे पड़ोसी', विदेश मंत्री बोले- दोनों पर क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा की साझा जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर मालदीव में हैं। मालदीव में उन्होंने कहा कि दोनों देश अच्छे पड़ोसी हैं और दोनों पर हैं क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा की जिम्मेदारी है। अपने बयान में जयशंकर ने कहा कि हमने संयुक्त रूप से अपनी चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की है और मुझे लगता है कि बिना किसी अतिशयोक्ति के ग्राउंडब्रेकिंग समारोह सबसे प्रत्याशित परियोजनाओं में से एक है, हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा विस्तार परियोजना आज शाम बाद में आयोजित की जाएगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत और मालदीव अच्छे पड़ोसी, मजबूत साझेदार हैं और दोनों पर क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा की साझा जिम्मेदारी है।

मालदीव में विदेश मंत्री ने कहा कि ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट इस देश में अब तक की गई सबसे बड़ी परियोजना है। हम उम्मीद करते हैं कि यह एक आर्थिक गलियारा बन जाएगा, जो माले को विलिंगली से जोड़ता है, गुलहिफाल्हू में प्रस्तावित वाणिज्यिक बंदरगाह और थिलाफुशी में औद्योगिक क्षेत्र है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत अपने और इस व्यापक क्षेत्र के लिए मालदीव की (सुरक्षा) जरूरतों को पूरा करने का सदैव इच्छुक है। उन्होंने कहा कि हमने संयुक्त रूप से अपनी चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की है और मुझे लगता है कि बिना किसी अतिशयोक्ति के ग्राउंडब्रेकिंग समारोह सबसे प्रत्याशित परियोजनाओं में से एक है।

जूनियर छात्र के साथ रैगिंग दौरान मारपीट के आरोप में तेलंगाना भाजपा प्रमुख के बेटे के खिलाफ एफआईआर

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद की महिंद्रा यूनिवर्सिटी में रैगिंग का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर रैगिंग का एक वीडियो वायरल हो रहा है इस वीडियो में तेलंगाना के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमार का बेटा बंदी साईं भागीरथ अपने साथियों के साथ मिलकर एक जूनियर छात्र की रैगिंग करता नजर आ रहा है। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद साईं भागीरथ पर एक्शन हुआ है और यूनिवर्सिटी प्रशासन ने डुंडीगल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

तेलंगाना के भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ मंगलवार को एक छात्र के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। भाजपा नेता के बेटे पर हाल ही में अपने दोस्त की बहन के साथ 'दुर्व्यवहार' करने के लिए एक निजी शैक्षणिक संस्थान के परिसर में एक साथी छात्र की पिटाई करने का आरोप लगाया गया था। भाजपा अध्यक्ष का बेटा इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष का छात्र है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है जिसमें एक युवक दूसरे को कथित तौर पर थप्पड़ मार रहा है। रैगिंग के इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी साईं भागीरथ और अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इन दिनों छुट्टी की वजह से हॉस्टल बंद है और छात्रों के लौटने के बाद पूछताछ करने पर घटना के समय का पता चल सकेगा।

कश्मीर समस्या होगी खत्म फारूक अब्दुल्ला ने बताया हल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर समस्या तब तक खत्म नहीं होगी जब तक हम अपने पड़ोसी से बात नहीं करते और दशकों से चली आ रही इस समस्या का वास्तविक समाधान नहीं ढूंढते। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक हम एकजुट नहीं होंगे तब तक भारत तरक्की नहीं कर पाएगा और मजबूत नहीं बन पाएगा दिल्ली में रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत की किताब अ लाइफ इन द शैडोज़ = अ मेमॉयर के विमोचन कार्यक्रम के दौरान 85 वर्षीय फारूक अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी की। एएस दुलत 2000 में सेवानिवृत्त हुए थे। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भारत एक अनोखा देश है और यह इसलिए है क्योंकि हम सब मिलकर सोचते हैं। हमें महात्मा गांधी के सपनों के भारत में लौटना होगा। अगर देश को प्रगति करनी है तो विभाजन को समाप्त करना होगा। जब तक हम एकजुट नहीं होंगे देश कभी मजबूत नहीं बनेगा। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि कश्मीर की समस्या खत्म नहीं होगी। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आतंकवाद तब तक बना रहेगा जब तक हम अपने पड़ोसी से बात नहीं करते और इस समस्या का वास्तविक समाधान नहीं निकालते।

मेघालय में बोलीं ममता बनर्जी, भाजपा के दो चेहरे, चुनाव के दौरान कहती कुछ है और बाद में करती कुछ और है

शिलांग (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख ममता बनर्जी आज मेघालय पहुंची थीं। मेघालय में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मेघालय में तृणमूल कांग्रेस अपनी संभावनाओं को तलाशने की कोशिश में लगी हुई है। इसी कड़ी में ममता बनर्जी के आज के दौरे को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इन सबके बीच ममता बनर्जी ने भाजपा पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भाजपा दो चेहरे वाली पार्टी है जो चुनाव के दौरान कहती कुछ है और बाद में करते कुछ और है।

दरअसल, ममता बनर्जी मेघालय के गोरा हिल्स जिले में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि तृणमूल कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो पूर्वोत्तर राज्य में बेहतर शासन प्रदान कर सकती है क्योंकि यह लोगों के सपनों को पूरा करते हैं। ममता ने साफ तौर पर आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार सिर्फ उसकी पार्टी के शासन वाले राज्यों को ही धन मुहैया कराती है। उन्होंने कहा कि हम मेघालय में जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार चाहते हैं। आपको बता दें कि मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी की सरकार है। मेघालय में भाजपा के पास सिर्फ 2 विधायक हैं। वह कोनराड संगमा के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा भी है। मेघालय में भाजपा इस बार अपने दम पर चुनाव लड़ रही है। यही कारण है कि ममता बनर्जी ने भाजपा पर अपना निशाना साधा है। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के मुताबिक मेघालय में 27 फरवरी को मतदान होगा और मतगणना दो मार्च को होगी। वहीं, मेघालय के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) मंत्री रेनिक्टन तोंगखर और राज्य के चार अन्य मौजूदा विधायकों ने निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान की तारीख की घोषणा से कुछ घंटे पहले बुधवार को विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। तोंगखर के अलावा इस्तीफा देने वालों में तृणमूल कांग्रेस के विधायक शीतलंग पाले, कांग्रेस के निलंबित विधायक मायरालबॉर्न सिएम और पीटी सावक्मी तथा निर्दलीय विधायक लम्बोर मालनगियांग शामिल हैं।

समय रहते उपाय नहीं किए गए तो मैक्लोडगंज में भी पैदा हो सकते हैं जोशीमठ जैसे हालात

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की पहली पसंद है। हिमाचल में प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना चुके कांगड़ा के मैक्लोडगंज में यदि समय रहते उपाय नहीं किए गए तो वहां भी उत्तराखंड के जोशीमठ जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बहुमंजिला इमारतों से भूमि पर बोझ बढ़ने पहाड़ों पर पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने और सीवेज प्रावधान न होने से यहां भी जोशीमठ की तरह भूधंसाव जैसी आपदा पैदा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि यहीं पर तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का निवास भी है।

उत्तराखंड के जोशीमठ की घटना से हर कोई वाकिफ है। ऐसे में पहाड़ों पर इस तरह की आपदा से बचने के लिए उचित कदम उठाने की जरूरत है। पहाड़ों की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही निर्माण किए जाने चाहिए क्योंकि बहुमंजिला निर्माण से भूमि पर लोड पड़ता है और भूमि खिसकने की संभावना बढ़ जाती है। जोशीमठ जैसे ज्वलंत मुद्दे की बात हो रही है। ऐसे में हिमाचल के पहाड़ों पर बन रहे बहुमंजिला भवनों का निर्माण भी एक बड़ा मसला है।

ऐसे में हिमाचल प्रदेश में केंद्रीय विश्वविद्यालय कांगड़ा के जियोलाजी विभाग के प्रमुख प्रो अंबरीश कुमार महाजन का कहना है कि जोशीमठ एक ऐसी जगह पर है जहां आब्स्ट्रेक्शन ड्रैनेज की वजह से ऐसे हालात बने हैं। यह आज का नहीं है बल्कि पहले से धीरे-धीरे दरारें चलती आई हैं जो वर्तमान में बड़े संकट के रूप में उभर कर सामने आई हैं। धर्मशाला के संदर्भ में प्रो महाजन का कहना है कि धर्मशाला में कोतवाली बाजार से ऊपर मैक्लोडगंज भागसूनाग ऐसा जगह है जो लैंड स्लाइन जोन है। यह जगह लैंड स्लाइन जोन ड्रेनेज सिस्टम प्रॉपर न होने की वजह से बनी है। ड्रेनेज सिस्टम प्रॉपर होता और प्रॉपर सीवेज सिस्टम को टैग किया होता तो यहां इस तरह की समस्या नहीं आती। बहुमंजिला निर्माण होता है तो इससे जमीन पर ज्यादा लोड हो जाता है जिससे उसके खिसकने की संभावना बढ़ जाती है।

शिमला के बारे में प्रो अंबरीश महाजन ने कहा कि शिमला में भी बहुमंजिला इमारतें हैं जो लैंड स्लाइन जोन में हैं वो रिस्की हैं और इनमें प्रॉपर ड्रेनेज सिस्टम नहीं होगा तो उनका भी आने वाले समय में जोशीमठ वाला ही हाल होगा। प्रो महाजन धर्मशाला के मुताबिक धर्मशाला एरिया भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील है और टेक्टोलिकली एक्टिव भी है। धर्मशाला के इर्द-गिर्द 3 थ्रस्ट हैं जिनमें धर्मशाला के साउथ से लेकर दरीणी थ्रस्ट धर्मशाला के नॉर्थ में नडडी के पास क्रॉस करता हुआ एमबीटी थ्रस्ट पंजाब थ्रस्ट इतने ज्यादा थ्रस्ट होने के चलते धर्मशाला की जमीन अंडर कम्प्रेसिव स्ट्रेस पर है। ड्रेनेज सिस्टम की बात करें तो मैक्लोडगंज से ऊपर ड्रेनेज या सीवेज सिस्टम का कोई समाधान नहीं है जब तक यह समाधान नहीं होता तब तक यह प्राब्लम चलती रहेगी।

प्रो महाजन ने कहा कोतवाली बाजार से ऊपर जाएं तो जगह-जगह रोड़ सिंक कर रहा है। इसका मुख्य कारण है कि यहां पर नीचे क्ले स्टोन है और उसके ऊपर लूज सॉयल है। लूज सॉयल में जैसे ही पानी भरता है और माइस्चर कंटेंट बढ़ जाता है और लैंड स्लाइड होता है। पहाड़ पर पानी की निकासी होना जरूरी है और सीवेज की प्रॉपर व्यवस्था होनी चाहिए। पहाड़ पर पानी की निकासी न होना बड़े हादसे का सबब बन सकता है।

इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में 6.1 तीव्रता का भूकंप जानमाल की क्षति की अब तक कोई खबर नहीं

जकार्ता । इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में बुधवार को जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि किसी तरह के गंभीर जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.1 थी और इसका केंद्र गोरोन्तालो के 65 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में समुद्र में 147 किलोमीटर की गहराई पर था। गोरोन्तालो उत्तरी सुलावेसी उत्तरी मलुकु और मध्य सुलावेसी प्रांत में इसके झटके महसूस किए गए। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान जलवायु विज्ञान व भूभौतिकी एजेंसी ने सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की है। प्रशांत महासागर में 'रिंग ऑफ फायर' पर इंडोनेशिया की स्थिति के कारण यहां भूकंप का खतरा अधिक रहता है। गौरतलब है कि पश्चिम जावा के सियानजुर शहर में 21 नवंबर को आए 5.6 की तीव्रता वाले भूकंप में कम से कम 331 लोग मारे गए थे और करीब 600 लोग घायल हुए थे। इससे पहले सुलावेसी में 2018 में आए भूकंप और सुनामी में करीब 4340 लोग मारे गए थे। वहीं 2004 में हिंद महासागर में एक अत्यंत शक्तिशाली भूकंप के कारण सुनामी आने से एक दर्जन देशों में 230000 से अधिक लोगों की जान गई थी जिनमें अधिकतर लोग इंडोनेशिया के आचे प्रांत के थे।

अमेरिका के अलास्का में ध्रुवीय भालू के हमले में दो लोगों की मौत

वेल्स । अमेरिका में पश्चिमी अलास्का के एक दूर-दराज के गांव में एक ध्रुवीय भालू (पोलर बीयर) ने हमला कर दो लोगों को मार डाला। अलास्का प्रांत के सुरक्षाबलों ने यह जानकारी दी। अलास्का के सुरक्षाबलों ने कहा कि उन्हें भालू के हमले की जानकारी मंगलवार को अपराह्न करीब ढाई बजे मिली। भालू ने यह हमला वेल्स के सेवार्ड प्रायद्वीप में किया। सुरक्षा बलों के मुताबिक प्रारंभिक खबरों से संकेत मिलता है कि एक ध्रुवीय भालू रिहायशी इलाके में घुस गया और कई लोगों पर हमला किया। भालू के हमले में एक युवती और एक किशोर की मौत हो गई। इसके बाद एक स्थानीय व्यक्ति ने भालू को गोली मार दी।

नेपाल विमान दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 71 हुई

काठमांडू । नेपाल में विमान के दुर्घटनास्थल से एक और नेपाली यात्री का शव मिलने के साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर 71 हो गई हैं लेकिन अभी आखिरी लापता यात्री की पुष्टि होना बाकी है। सहायक मुख्य जिला अधिकारी गुरु दत्ता ढकाल ने बताया हमें सेती नदी में एक और शव मिला है। इसके बाद बरामद शवों की कुल संख्या 71 तक पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार येती एयरलाइंस का एक विमान रविवार को पोखरा शहर की सेती नदी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान काठमांडू से पोखरा जा रहा था। सोमवार शाम तक कुल 69 शव बरामद किए जा चुके थे जिनमें 69 शव सेती नदी में मिले थे और दुर्घटनाग्रस्त विमान के दोनों ब्लैक बॉक्स सोमवार को निकाले गए। ढकाल ने कहा 72वें व्यक्ति के पैर बरामद किए गए थे हालांकि हम अभी तक इसका पता नहीं लगा पाए हैं।

भारत का भगौड़ा कारोबारी मेहुल चौकसी रिश्वत देकर एंटीगुआ में सुरक्षा खरीद रहा

-एंटीगुआ में अधिकारी चौकसी के भारत प्रत्यर्पित करने में हस्तक्षेप कर रहे

सेंट जॉन्स । भारत के सबसे वांछित भगौड़े कारोबारी में से एक मेहुल चौकसी एक प्रसिद्ध वित्तीय अपराध जांचकर्ता केनेथ रिजॉक द्वारा की गई जांच के अनुसार कई अधिकारियों को रिश्वत देकर एंटीगुआ में सुरक्षा खरीद रहा है। रिजॉक ने एंटीगुआ में चौकसी की रिश्वतखोरी और साजिश के खिलाफ चौंकाने वाले खुलासे किए जहां अधिकारी उसे भारत प्रत्यर्पित करने के लिए हिरासत में लेने के इंटरपोल के प्रयासों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। चौकसी वरिष्ठ एंटीगुआ पुलिस अधिकारी एडोनिस हेनरी सहित सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देकर एंटीगुआ में अदालती प्रक्रिया को अवैध रूप से बढ़ाने की योजना बना रहा है। कई गवाहों ने बताया कि चौकसी और इंस्पेक्टर हेनरी दिन में कम से कम तीन बार अल पोर्टो में मिलते रहे हैं एक जॉली हार्बर रेस्तरां जो कथित तौर पर चौकसी के स्वामित्व में है रिजॉक ने खुलासा किया हैं कि चौकसी न केवल हेनरी तक पहुंचा बल्कि अवैध भुगतान के जरिए एंटीगुआ के मजिस्ट्रेट कोनलिफ क्लार्क को प्रभावित करने की भी कोशिश की। रिजॉक ने लिखा है कि चौकसी ने अवैध भुगतान के माध्यम से क्लार्क को भ्रष्ट तरीके से प्रभावित किया है विशुद्ध रूप से विलंबित उद्देश्यों के लिए उनके लंबित प्रत्यर्पण को अनिश्चित काल के लिए विलंबित करने के लिए। रिजॉक ने कहा कि उनके सूत्रों ने पुष्टि की है कि क्लार्क और हेनरी ने भारत में सजा का सामना करने के लिए प्रत्यर्पण के लिए उन्हें हिरासत में लेने के इंटरपोल के प्रयासों में हस्तक्षेप करने की साजिश रची थी। रिजॉक का लेख विभिन्न तथ्यों द्वारा समर्थित वर्णन करता है कि कैसे हीरा व्यापारी एंटीगुआ से क्यूबा तक भागने में विफल रहा और फिर अपहरण का परिदृश्य गढ़ा। चौकसी प्रत्यर्पण से बचने के लिए एंटीगुआ से क्यूबा भागना चाहता था क्योंकि क्यूबा और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है। जांचकर्ता के अनुसार भारतीय भगौड़े को मई 2021 में डोमिनिका के तट पर फेंक दिया गया था जब उसने जहाज के तस्करों के चालक दल को भुगतान करने से इनकार कर दिया था। इंटरपोल ने उस भगौड़े के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया है जो 2018 में देश से भागने से पहले भारत में पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में शामिल था। रेड नोटिस किसी व्यक्ति के लंबित प्रत्यर्पण का पता लगाने और अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने का अनुरोध है।

ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान समर्थकों ने श्री शिव विष्णु मंदिर पर किया हमला

मेलबोर्न । ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। स्वामीनारायण मंदिर में हमले के बाद अब ऑस्ट्रेलिया में एक हिंदू मंदिर पर हमला किया गया है। 'खालिस्तान समर्थकों' ने ऑस्ट्रेलिया में एक हिन्दू मंदिर पर भारत-विरोधी बातें लिखकर कथित रूप से उसे नुकसान पहुंचाया है। मंदिर में तोड़फोड़ का भी दावा किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में एक सप्ताह के भीतर हिन्दू मंदिर को क्षति पहुंचाने की यह दूसरी घटना है। विक्टोरिया के कारुंम डॉन्स में स्थित ऐतिहासिक श्री शिव विष्णु मंदिर को नुकसान पहुंचाया गया। मंदिर को क्षति पहुंचाए जाने की यह बात उस वक्त सामने आई जब तमिल हिंदू समुदाय के तीन दिन लंबे त्योहार 'थाईपोंगल' पर दर्शन के लिए श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे। श्री शिव विष्णु मंदिर में वर्षों से पूजा कर रहीं उषा सेंथिलनाथन ने कहा हम ऑस्ट्रेलिया में तमिल अल्पसंख्यक समूह हैं हममें से ज्यादातर लोग धार्मिक आधार पर निशाना बनाए जाने से बचने के लिए यहां आए। उन्होंने कहा 'यह मेरे पूजा करने की जगह है और मुझे यह स्वीकार्य नहीं है कि ये खालिस्तान समर्थक बिना किसी डर के अपने नफरती संदेशों से इसे नुकसान पहुंचाएं। उन्होंने कहा मैं प्रीमियर डान एंड्यूज और विक्टोरिया पुलिस से इन गुंडों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध करती हूं जो विक्टोरिया के हिन्दू समुदाय को डराने का प्रयास कर रहे हैं।' इससे पहले 12 जनवरी को मेलबर्न स्थित स्वामीनारायण मंदिर पर भारत-विरोधी बातें लिखकर असामाजिक तत्वों ने उसे विरूपित कर दिया था।

10000 फुट की ऊंचाई पर हवा में उड़ान भरें होवरबोर्ड की कीमत मात्र 11 लाख

न्यूयार्क । न्यूयॉर्क की एक कंपनी ने सबसे छोटा जेट इंजन से संचालित होने वालाहोवरबोर्ड बनाया है। इसका नाम प्लायबोर्ड एयर रखा गया है। इसको एक सिंगल व्यक्ति द्वारा संचालित किया जाता है। 177 किलोमीटर की रफ्तार से यह 10000 फुट तक की ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम होगा। इसमें 5 जेट टरबाइन से शक्ति मिलती है। 113 किलो वजन के साथ यह हवा में उड़ान भर सकता है इसकी शुरुआती कीमत 11 लाख रूपये रखी गई है।

डोनेस्क में रुसी ठिकानों की ओर पोलैंड में बनी होविटजर क्रैब मिसाइल को दागते हुए यूक्रेनी सैनिक।

इस साल भारत हो जाएगा दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश

बीजिंग । चीन में छह दशकों बाद आबादी में गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा है कि 2022 के अंत में चीन की आबादी लगभग 850000 घटकर 141 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 1961 के बाद से पहली बार दर्ज की गई इस गिरावट के बाद कहा जा रहा है कि भारत इस वर्ष दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। लगातार घट रही जनसंख्या और पूर्व में बनाई गई वन चाइल्ड पॉलिसी के कारण चीन में सन 2050 तक जनसंख्या में 10 करोड़ से ज्यादा की कमी देखने को मिल सकती है।

घटती जनसंख्या से चीन को डर है कि इससे बड़ी आबादी की कार्यक्षमता में बहुत कमी देखने को मिलेगी जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। आपको बता दें कि पिछले साल चीन की जन्म दर प्रति 1000 लोगों पर सिर्फ 6.77 जन्म थी जो 2021 की जन्म दर 7.52 फीसदी से कम है और ये रिकॉर्ड स्तर पर सबसे कम है। जन्म दर के मुकाबले मृत्यु दर 1974 के बाद से 1000 लोगों पर 7.37 मौत दर्ज की गई है जो कि 2021 में 7.18 मौतों की दर की तुलना में भी अधिक है। जनसंख्या में दर्ज की जा रही रिकॉर्ड गिरावट चीन की 1980 और 2015 के बीच लागू की गई एक-बच्चे की नीति के साथ-साथ उच्च शिक्षा लागतों का परिणाम है जिसने कई चीनी लोगों को एक से अधिक बच्चे पैदा करने या यहां तक कि एक भी बच्चा पैदा करने से रोक दिया है।

कीव में बड़ा हादसा, बिल्डिंग से टकराकर क्रैश हुआ हेलिकॉप्टर, यूक्रेन के गृह मंत्री समेत 16 की मौत

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन की राजधानी कीव के पास ब्रोवेरी कस्बे में बुधवार को एक हेलीकॉप्टर के बिल्डिंग से टकरा जाने से दो बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति के एक सहयोगी ने कहा कि आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। हादसे में यूक्रेन के गृह मंत्री के भी मारे जाने की खबर है। कीव क्षेत्र के गवर्नर ओलेक्सी कुलेबा ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर लिखा, ÷इस त्रासदी के समय नर्सरी में बच्चे और कर्मचारी थे। अब सभी को निकाल लिया गया है। हताहत हुए हैं। पुलिस के अनुसार, कीव क्षेत्र में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दो बच्चों सहित 16 लोगों की मौत हो गई।

यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है कि हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण क्या था। रूस की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई और यूक्रेनी अधिकारियों ने उस समय क्षेत्र में किसी भी रूसी हमले का कोई संदर्भ नहीं दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के उप प्रमुख किरिलो टिमोशेंको ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर लिखा, ÷हम हताहतों और परिस्थितियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

ब्रिटेन में विभिन्न संस्कृतियों और विभिन्न धर्म के लोगों का एक साथ रहने का चलन बढ़ा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में विभिन्न संस्कृतियों और विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ रहने लगे हैं। जिसके कारण यहां पर अलगाव की घटनाएं कम हो रही हैं। लोगों के बीच एक दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना बढ़ रही है। विभिन्न संस्कृतियों और विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ जब रहते हैं तो इनमें एक दूसरे को जानने की जिज्ञासा भी रहती है। यह अपने आसपास के लोगों से बेहतर संबंध बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। एक घर में श्वेत परिवार रह रहा है। दूसरे घर में अश्वेत परिवार रह रहा है। तीसरे घर में एशियाई परिवार रह रहा है। इस तरह से जिन बस्तियों में या घरों में लोग रहते हैं। ऐसे पड़ोस को यहां पर रेनबो के नाम की पहचान दी गई है। जिस तरह से रेनबो में अलग-अलग रंग एक साथ दिखाई देते हैं। कुछ ऐसा ही हाल यहां पर अलग-अलग संस्कृति और धर्म के लोग रहते हैं। तो माईनारिटी ही एक मेजारिटी के रूप में दिखने लगती है। ब्रिटेन में अब इसे माइनॉरिटी - मेजारिटी कहा जाने लगा है। डायवर्सिटी इंडेक्स के मुताबिक ब्रिटेन में पिछले 20 वर्षों में पड़ोस की विविधता दोगुना हो गई है। एक रिसर्च के अनुसार कार्यालयों में अलग-अलग संस्कृति के लोग एक साथ काम करते हैं। तो इसका 35 फ़ीसदी अधिक फायदा कंपनी को होता है। 2400 कंपनियों पर यह रिसर्च की गई थी। जिस पर यह नतीजा निकल कर सामने आया। बोस्टन लिंकनशायर में पड़ोसियों में विविधता 10 गुना ज्यादा बढ़ गई है। डेगनहम में 9 गुना वृद्धि हुई है। क्रीस यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर जेम्मा केटनी का कहना है कि ब्रिटेन में विविधता बढ़ रही है। श्वेत अश्वेत और अन्य संस्कृति तथा धर्म के लोग आपस में मिलजुल कर रहना सीख गए हैं। एक दूसरे की संस्कृति को प्रेम पूर्वक स्वीकार कर रहे हैं। एक दूसरे के प्रति विश्वास बढ़ा है। बोस्टन काउंसिल के पॉल सिकनर ने कहा कि पुलिस भर में भी अलग-अलग पृष्ठभूमि के पुलिस कर्मी भर्ती किए जा रहे हैं।

अमेरिका की तरफ से भी आई पाकिस्तान के लिए बुरी खबर, छिन सकता है गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा, संसद में विधेयक पेश

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के गर्दिशों वाले दिन कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। आर्थिक बदहाली से जूझ रहा पाकिस्तान अपने मुल्क को चलाने के लिए कटोरा लेकर दूसरे देशों से कर्ज मांगता फिर रहा है। वहीं संयुक्त राष्ट्र में उसके आतंक के पालन-पोषण की कलई भी खुल गई और दोस्त चीन ने भी इस बार ग्लोबल टेररिस्ट घोषित करने में पाकिस्तानी आतंकी मक्की को लेकर कोई अड़ंगा नहीं लगाया। अब अमेरिका की तरफ से भी पाकिस्तान के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। अमेरिका के एक सांसद ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में पाकिस्तान की मान्यता समाप्त करने संबंधी एक विधेयक पेश किया है, जिसमें इस्लामाबाद को कुछ शर्तों के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति से वार्षिक प्रमाणीकरण की आवश्यकता का प्रावधान है।

9 जनवरी को अमेरिकी संसद में ये बिल कांग्रेसी एंडी बिग्स की तरफ से पेश किया गया है। बिल को फिलहाल आवश्यक कार्रवाई के लिए विदेश मामलों के मंत्रालय कमिटी के पास भेजा

गया है। इसके बाद बिल को अमेरिकी सदन और सीनेट में पारित होने के लिए पेश किया जाएगा अगर दोनों हाउसों से ये बिल पास हो जाता है तो कानून पर हस्ताक्षर के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के पास इसे भेजा जाएगा।

विधेयक में एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में पाकिस्तान के दर्जे को बनाए रखने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति से इस बात का प्रमाणीकरण जारी किए जाने की मांग की गई है कि पाकिस्तान ने हक्कानी नेटवर्क के सदस्यों को गिरफ्तार करने और उन पर मुकदमा चलाने में प्रगति दिखाई है और उसने हक्कानी नेटवर्क को किसी भी पाकिस्तानी क्षेत्र को पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल करने से रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए कदम उठाए हैं।

पाकिस्तान से संबंधित 150 आतंकवादी संगठनों, व्यक्तियों का नाम संयुक्त राष्ट्र ने काली सूची में डाला

बीजिंग (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अब तक पाकिस्तान आधारित या पाकिस्तान से संबंधित करीब 150 आतंकवादी संगठनों और व्यक्तियों के नाम काली सूची में डाले जा चुके हैं, जिसमें नवीनतम नाम लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख अब्दुल रहमान मक्की का है, जिसे सुरक्षा परिषद की अलकायदा प्रतिबंध समिति ने आतंकवादी घोषित किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 आईएसआईएल (दाएश) और अलकायदा प्रतिबंध समिति ने सोमवार को 68 वर्षीय मक्की को घोषित आतंकवादियों की सूची में शामिल किया।

इस सूची में शामिल लोगों की संपत्ति जब्त करने, उन पर यात्रा और हथियार संबंधी प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। इसके लिए भारत और उसके सहयोगी देश वर्षों से प्रयास कर रहे थे। अलकायदा प्रतिबंध समिति की सूची के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र द्वारा अब तक काली सूची में डाले गए लगभग 150 आतंकवादी संगठन और व्यक्ति या तो पाकिस्तान आधारित हैं, या देश में उनके संबंध हैं या वे पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा क्षेत्रों से संचालित होते हैं। काली सूची में पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के नेता और मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद, लश्कर के शीर्ष आतंकी कमांडर और 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के प्रमुख साजिशकर्ता जकी-उर रहमान लखवी, पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन के संस्थापक मसूद अजहर और भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का नाम भी शामिल है।

जमात उद दावा/लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक मामलों के प्रमुख और लश्कर सरगना हाफिज मुहम्मद सईद के रिश्तेदार मक्की को वैश्विक आतंकवादियों की सूची में शामिल करने का प्रयास पाकिस्तान के करीबी सहयोगी चीन द्वारा 16 जून 2022 को भारत और अमेरिका के एक संयुक्त प्रस्ताव पर रोक लगाए जाने के सात महीने बाद सफल हुआ है, क्योंकि इस बार बीजिंग ने अड़ंगा नहीं लगाया। किसी व्यक्ति या संगठन को 1267 प्रतिबंध समिति के तहत सूचीबद्ध करने का फैसला सर्वसम्मति से लिया जाता है। 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने अलकायदा प्रतिबंध समिति बनाई है, जिसमें बतौर स्थायी सदस्य वीटो का अधिकार रखने वाला चीन एकमात्र देश था, जिसने मक्की को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया को बाधित किया था। पिछले साल जून में भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव पर चीन द्वारा रोक लगाए जाने के बाद 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को सूचीबद्ध करने पर सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी। समिति के दिशानिर्देश के मुताबिक, कोई सदस्य निर्णय पर रोक लगाकर किसी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए अधिक समय का अनुरोध कर सकता है। किसी मामले पर रोक की वैधता की अवधि में उस मामले पर निर्णय ''लंबित'' माना जाता है।

अफगानिस्तान में चोरी और समलैंगिकता के आरोप में 9 लोगों को मारे गए कोड़े काट दिए हाथ

काबुल । अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में वापस आते ही देश में आतंक का वर्चस्व फिर से कायम हो गया है। इस्लामिक देश में शरिया कानून के तहत डकैती और समलैंगिक संबंध के नौ दोषियों को कंधार के अहमद शाही स्टेडियम में सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे गए। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता हाजी जैद ने कहा कि दोषियों को करीब 35 से 39 बार कोड़े मारे गए थे इस दौरान स्थानीय निवासी मौजूद थे। कंधार के अहमद शाही स्टेडियम में डकैती और समलैंगिकता के आरोप में नौ लोगों को सजा दी गई। ब्रिटेन में अफगान पुनर्वास मंत्री के पूर्व नीति सलाहकार शबनम नसीमी ने ट्वीट कर बताया कि तालिबान ने कंधार के एक फुटबॉल स्टेडियम में लोगों के सामने चोरी के आरोपी 4 लोगों के हाथ काट दिए हैं। निष्पक्ष जांच और उचित प्रक्रिया के बिना अफगानिस्तान में लोगों को पीटा जा रहा है हाथ काट दिए जा रहे हैं और मार डाला जा रहा है। यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है। वहीं संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने सजा के एक रूप के रूप में कोड़े मारने की निंदा की है और तालिबान से सभी प्रकार के कठोर दंडों को तुरंत रोकने का आह्वान किया है। आपको बता दें कि पिछले साल दिसंबर में तालिबान ने ऐसे ही आरोपों में सार्वजनिक रूप से एक व्यक्ति को मार डाला था। अफगानिस?तान में तालिबान ने लड़कियों और महिलाओं की यूनिवर्सिटी शिक्षा पर रोक लगा दी है।

चीन के वर्चस्व को भारत की बड़ी चुनौती, 2027 तक दुनियाभर में बिकने वाले 50प्र. आईफोन होंगे मेड इन इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग में चीन के वर्चस्व को बड़ी चुनौती देने की तैयारी में है। साल 2027 तक दुनियाभर में बनने वाला हर दूसरा आईफोन मेड इन इंडिया वाला होगा। सितंबर के महीने में जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एप्पल 2025 तक अपने आईफोन उत्पादन का 25प्र. तक भारत में स्थानांतरित कर सकता है और अब साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की नई रिपोर्ट में बताया गया है कि 2027 तक दुनियाभर में बिकने वाले आधे आईफोन मेड इन इंडिया वाले होंगे।

भारत में वर्तमान में सभी आईफोन उत्पादन मात्र 5प्र. है, हालांकि दावा किया जा रहा है कि एप्पल चीन पर अपनी निर्भरता धीरे-धीरे कम करता जा रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि एप्पल आईफोन 15 सीरिज के लिए चीन और भारत में एक साथ उत्पादन शुरू करेगा। पिछले साल ऐपल ने सितंबर में आईफओन 14 का प्रोडक्शन भारत में शुरू कर दिया। चीन से दूर अपने आईफोन उत्पादन में विविधता लाने के लिए एप्पल के झटके ने चीन के बजाय वियतनाम में निर्मित AirPods और MacBooks की बढ़ती मात्रा के साथ आपकी शेष राशि भी आगे बढ़ती है।

आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल ने अपने नई आईफोन की भी मैन्युफैक्चरिंग भारत में शुरू कर दी है। सरकार की इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई स्कीम लेकर आई है। जिसका आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने फायदा उठाया है। एक अनुमान के मुताबिक 2023में फॉक्सकॉन द्वारा तैयार किये जाने वाले आईफोन में 150 फीसदी का उछाल आ सकता है। फिलहाल एप्पल आईफोन 12, आईफोन 13, आईफोन 14 के बेसिक मॉडल भारत में तैयार करती है। भारत से आईफोन शिपमेंट के आंकड़े अप्रैल से दिसंबर 2022 के बीच दोगुने हो गए हैं। वियतनाम में कंपनी मैकबुक और AirPods का प्रोडक्शन बढ़ा रही है। ऐपल पिछले काफी समय से चीन पर अपनी निर्भरता को लेकर चिंतित था। यही वजह है कि ऐपल अपने प्रोडक्शन को धीरे-धीरे चीन से बाहर बढ़ा रहा है।

संपादकीय

अमीरी-गरीबी की खाई

ऑक्सफैम द्वारा जारी वार्षिक असमानता रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि देश के सबसे दस अमीरों पर पांच फीसदी कर लगा दिया जाए तो सभी बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिये पूरा पैसा मिल सकता है। यहां तक कि देश के सबसे धनाढ्य व्यक्ति के वर्ष 2017 से 21 के दौरान हासिल लाभ पर एक बार कर लगाने से 1.79 लाख करोड़ रुपये जुटाये जा सकते हैं।

निस्संदेह, उदारीकरण-वैश्वीकरण के दौर के बाद भारत में अमीरी-गरीबी की खाई तेजी से गहरी हुई है। कोरोना संकट से उपजे हालात ने अंतर को और बढ़ाया है। नये-नये धनकुबेरों ने अकूत संपदा जुटाई है। जाहिर है राजाश्रय और कानूनी संरक्षण के बिना यह आर्थिक असमानता का समुद्र हिलोरे नहीं ले सकता। विभिन्न संस्थाओं के सर्वेक्षण और मीडिया संस्थानों की रिपोर्टें गाहे-बगाहे इस आर्थिक असमानता की तस्वीर उकेरते रहे हैं। अब दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से पहले ऑक्सफैम इंटरनेशनल के अध्ययन में सोमवार को खुलासा हुआ कि भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का चालीस फीसदी हिस्सा है। वहीं निचले तबके के पास कुल तीन फीसदी हिस्सा ही है। ऑक्सफैम द्वारा जारी वार्षिक असमानता रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि देश के सबसे दस अमीरों पर पांच फीसदी कर लगा दिया जाए तो सभी बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिये पूरा पैसा मिल सकता है। यहां तक कि देश के सबसे धनाढ्य व्यक्ति के वर्ष 2017 से 21 के दौरान हासिल लाभ पर एक बार कर लगाने से 1.79 लाख करोड़ रुपये जुटाये जा सकते हैं। यह राशि भारतीय प्राथमिक विद्यालयों के पचास लाख से अधिक शिक्षकों के लिये एक साल का रोजगार उपलब्ध कराने के लिये पर्याप्त होगी। वहीं रिपोर्ट आकलन करती है कि यदि भारत के अरबपतियों की संपत्ति पर दो फीसदी की दर से एक बार कर लगाया जाता है तो इस राशि से देश में अगले तीन साल तक कुपोषित लोगों के पोषण के लिये 40,423 करोड़ रुपये की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। 'सर्वाइवल ऑफ दि रिचेस्ट' शीर्षक रिपोर्ट आगे बताती है कि देश के दस सबसे अमीर अरबपतियों पर पांच फीसदी का एक बार का कर जो करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये बैठता है, वह देश के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के 2022-23 के बजट से डेढ़ गुना अधिक है। निस्संदेह, ऐसी रिपोर्ट जारी करने के पीछे विकसित देशों के प्रभाव वाली इन संस्थाओं के निहित स्वार्थ होते हैं लेकिन फिर भी ये आंकड़े सामाजिक असमानता की तस्वीर तो उकेरते ही हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत में महिला श्रमिकों को पुरुष श्रमिक द्वारा अर्जित मेहनताने के एक रुपये के मुकाबले केवल 63 पैसे ही मिलते हैं। ग्रामीण श्रमिकों व वंचित वर्गों के लिये यह अंतर और अधिक है। रिपोर्ट कहती है कि न्यूनतम पारिश्रमिक इतना हो कि जीवनयापन किया जा सके। ऑक्सफैम ने भारत में असमानता के प्रभाव के आकलन के लिये गुणात्मक व मात्रात्मक पक्षों को शामिल किया है। रिपोर्ट बताती है कि गरीब लोग अमीरों के अनुपात में अधिक करों का भुगतान करते हैं। वे आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं। यह भी कि अब अमीरों पर कर लगाने तथा उसके भुगतान को सुनिश्चित करने का समय आ गया है। रिपोर्ट सुझाव देती है कि देश की वित्तमंत्री धन-कर व उत्तराधिकार कर जैसे प्रगतिशील उपायों को लागू करें। जो विभिन्न देशों में असमानता दूर करने में कारगर साबित हुए हैं। वहीं ऑक्सफैम ने फाइट इनइक्वलिटी एलायंस इंडिया द्वारा वर्ष 2021 में कराये गये देशव्यापी सर्वेक्षण का हवाला देते हुए बताया कि अस्सी फीसदी लोग उन अमीरों व कंपनियों पर अतिरिक्त कर लगाने का समर्थन करते हैं जिन्होंने कोविड संकट को अवसर में बदलते हुए मोटा मुनाफा कमाया। वहीं नब्बे फीसदी प्रतिभागियों ने सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य के अधिकार और लिंग आधारित हिंसा को रोकने व असमानता दूर करने के लिये बजट बढ़ाने की मांग की।

सूक्ति

इच्छा से दुख आता है इच्छा से भय आता है जो इच्छाओं से मुक्त है वह न दुख जानता है न भय। - महात्मा गांधी

अपनी ख़राब आदतों पर जीत हासिल करने के समान जीवन में कोई और आनन्द नहीं होता है। - अज्ञात

लॉफिंग ज़ोन

प्रोफेसर साहब अपने एक वृद्ध मित्र और उसके पोते के साथ वायुयान से यात्रा कर रहे थे. अचानक वायुयान में आग लग गई. भगदड मच गई. पायलट को पैराशूट लेकर वायुयान से बाहर कूदते देखकर प्रोफेसर साहब ने भी ऐसा ही किया. अंत में वायुयान में केवल दो लोग बचे थे, एक प्रोफेसर के वृद्ध मित्र और दूसरा पोता. वृद्ध के हाथ में पैराशूट था. अचानक उसका पोता जोर-जोर से रोने लगा. वृद्ध ने उसे समझाते हुए कहा, 'रो नहीं बेटा. मैं तो अपना पूरा जीवन जी चुका हूं.' मेरे मरने से अब किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा. एक पैराशूट बचा है, तुम अपना जीवन बचा लो.'

'पैराशूट तो यहां भी रखा हुआ है.' बच्चे ने रोते-रोते एक अन्य पैराशूट की तरफ संकेत किया, 'लेकिन प्रोफेसर साहब तो मेरा स्कूल बैग लेकर कूद गए हैं.

☺ ☺ ☺

आत्महत्या के लिए रेल की पटरी पर लेटे व्यक्ति से किसी ने पूछा- भले आदमी यहां क्यों लेटे हो?

मै मरने के लिए यहां आया हूं. उसने जवाब दिया. अच्छा तो ये रोटियां साथ में क्यों रखी हुई है उस आदमी ने पूछा.

जवाब - हो सकता है गाड़ी लेट हो जाए.

☺ ☺ ☺

सच के भय और कल्पना के सुख में जीवन

क्षमा शर्मा

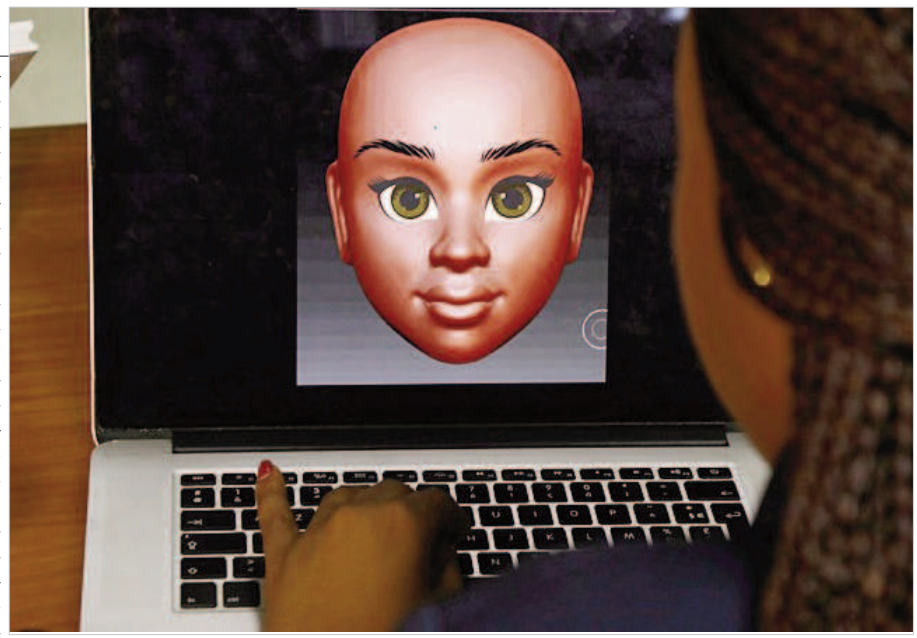

पिछले दिनों हैदराबाद के छह साल के बच्चे की खबर पढ़ी। खबर इतनी हृदय-विदारक थी कि हिल गई। सहसा यकीन नहीं हुआ कि ऐसा भी हो सकता है। खबर में बताया गया था कि बच्चे को चौथी स्टेज का कैंसर था। जब उसके माता-पिता एक डाक्टर के पास ले गए तो उसने डाक्टर से कहा- मैंने अपने टेबलेट पर सब पढ़ लिया है। मुझे चौथी स्टेज का कैंसर है। मेरे पास बस छह महीने ही बचे हैं। लेकिन आप मेरे माता-पिता को इस बारे में मत बताना। वे इसे सह नहीं पाएंगे। वे मुझे बहुत प्यार करते हैं। डाक्टर भी बच्चे की इस बात को सुनकर सकते में आ गए। बाद में उन्होंने बच्चे के माता-पिता को ये बातें बताई भी। कुछ माह बाद बच्चे के माता-पिता उन्हीं डाक्टर से मिलने आए। कहा कि बच्चा छह महीने की जगह आठ महीने जिया। उसकी इच्छा डिस्नेलैंड जाने की थी। हम उसे वहां ले गए। आपका बहुत धन्यवाद कि आपके कारण उसे छह की जगह, आठ महीने मिल सके। हाल ही में डाक्टर ने बच्चे से हुई बातों की जानकारी सार्वजनिक रूप से दी थी। और ये सारी बातें बताई थीं। जब से यह खबर पढ़ी है तब से महसूस कर रही हूं कि उस बच्चे के माता-पिता पर क्या गुजरी होगी। और सबसे ज्यादा उस बच्चे ने क्या महसूस किया होगा। छह साल की नन्ही उम्र में मौत की भयावहता को उसने कैसे झेला होगा। फिर यह भी कि उसकी बीमारी की खबर माता-पिता को नहीं मिलनी चाहिए, यह भी उसने कैसे जाना होगा। अपनी मृत्यु का सामना करने की ताकत बड़े-बड़ों में नहीं होती, वह तो मात्र छह साल का बच्चा था। जिसके सामने दुनिया पड़ी थी, जिसके खेलने-कूदने के दिन थे, वह आई पैड पर अपनी बीमारी के बारे में पढ़ रहा था। एक-एक दिन के जीवन का हिसाब लगा रहा था। अपने माता-पिता के दुःख और परेशानी के बारे में सोच रहा था। लगता है कि यदि उसके हाथ में आई पैड न होता, तो कम से कम वह चैन से रहता। उसे उसकी बीमारी के बारे में कुछ पता न चलता। नन्ही-सी उम्र में वह कम से कम किसी अवसाद से न घिरता। पुरानी कहावतों-कहानियों में यह बात आती ही है न कि मृत्यु की कल्पना मृत्यु से ज्यादा दुखदायी होती है। एक कहानी कुछ यों सुनाई जाती है-एक स्वस्थ आदमी को किसी ने बता दिया कि दो दिन बाद उसकी मृत्यु होने वाली है। यह सुनकर आदमी के पसीने छूट गए। वह आदमी नीचे गिरा और मर गया। कई बार मौत का डर मौत से ज्यादा भयावह होता है। ऐसी खबरें आपने भी पढ़ी होंगी कि फांसी की सजा पाए लोग, फांसी से पहले ही आत्महत्या कर लेते हैं। या यदि किसी को यह पता चलता है कि उसे कोई गम्भीर बीमारी है, ज्यादा दिन नहीं जी पाएगा, तो वह पहले ही मौत को गले लगा लेता है। क्या पता, यदि इस बच्चे को अपनी बीमारी की गम्भीरता के बारे में कुछ पता न होता, तो शायद वह कुछ और ज्यादा जी पाता। जब से सूचना युग ने बहुत से ज्ञान को ऐन हमारी आंखों के सामने पहुंचा दिया है, वहीं इसके खतरे भी कोई कम नहीं हैं। नेट पर पढ़कर अक्सर लोग उन बातों का ज्ञान भी देने लगते हैं, जिनके बारे में उन्हें कुछ नहीं पता होता। एक बार, एक बहुत वरिष्ठ डाक्टर मित्र ने कहा था कि इन दिनों नेट पर पढ़कर बहुत से लोग डाक्टर बन गए हैं। इस तरह से डाक्टर बनना, किसी को दवा बताना या खुद खाना बहुत खतरनाक है। कई लोग तो इन जानकारियों के आधार पर दवाएं भी खाने लगते हैं। और बहुत से नुकसान भी भुगतते हैं। तकनीक और जरूरत से ज्यादा जानकारियों ने जहां मनुष्य के जीवन को बहुत आसान बना दिया है, वहीं बहुत-सी मुश्किलें भी पैदा की हैं। ऊपर छह साल के बच्चे से सम्बंधित जो घटना बताई गई है, उसे पढ़कर भी यही लगा। उम्र से पहले मिलने वाला ज्ञान कई बार घातक राह की तरफ भी ले जाता है। इसके अलावा विज्ञान द्वारा बताया जाने वाला सच बहुत बार इतना कठोर होता है कि लगता है कि बेहतर था कि यह सच हमें पता ही न चलता। सच के मुकाबले अनेक बार कल्पना की दुनिया बहुत सुकून देती है। उदाहरण के तौर पर चंद्रमा के बारे में बताए गए सच हैं। बचपन में एक बार मां ने बताया था कि जो भाई गुजर गए, वे चांद पर रहते हैं। यह बात सुनने में इतनी अच्छी लगी थी कि भाई के न रहने का दुःख कुछ कम हो गया था। तब मां से यह भी पूछा था कि क्या भाई वहां से हमें देखते होंगे, तो मां ने कहा था बिल्कुल। लेकिन कुछ दिनों बाद जब मनुष्य चांद पर पहुंचा और बताया जाने लगा कि चांद पर तो कुछ नहीं है, न हवा, न पानी, न जीने लायक स्थितियां तो मन बहुत घबराया था कि आखिर भाई कहां रहते होंगे। और इस तरह चांद को लेकर जो भी कोमल कल्पनाएं थीं, वे पल भर में धराशायी हो गई थीं। कहने का अर्थ यह कि कभी-कभी सच के मुकाबले कल्पना मनुष्य को ज्यादा साहस देती है। मन को शांत करती है। यह भी है कि यदि कल्पना की दुनिया न होती तो मनुष्य एक कदम न चल पाता, कोई नया आविष्कार भी न हो पाता। बहुत से आविष्कार कल्पना की देन ही हैं। जैसे कि यदि मनुष्य ने पक्षियों को उड़ते न देखा होता, तो शायद कभी आसमान में उड़ने की कल्पना ही न की होती। हवाई जहाज न बनते। सच बोलना, सच जानना, बहुत अच्छी बात है लेकिन बहुत बार सच को छिपा लेना भी किसी के लिए सहायक हो सकता है। किसी परेशान मनुष्य को निराशा और से बचाया जा सकता है। इसीलिए आपने डाक्टरों को देखा होगा कि वे अक्सर रोगी से उसकी बीमारी की गम्भीरता छिपाते हैं, जिससे कि उस पर नकारात्मक असर न पड़े। बहुत बार लोग, हर तरफ से निराश होने और डाक्टरों के हाथ खड़े करने के बावजूद गम्भीर से गम्भीर बीमारी को पछाड़ देते हैं। छह साल का वह बच्चा दुनिया से चला गया है। उसके माता-पिता ने सब्र कर लिया होगा। लेकिन जब तक जीएंगे, उसके जाने के दुःख को महसूस करेंगे। यदि उस बच्चे को अपनी बीमारी का पता न होता, और टेबलेट उसके हाथ में न होता तो शायद वह सम्पूर्ण जानकारी न जुटा पाता। यह भी पता न चलता कि उसके पास बस छह महीने ही बचे हैं। क्या पता उसकी जिजीविषा उसे और भी जिला देती। आखिर जिजीविषा के चलते बहुत से लोग तमाम ऐसी कठिनाइयों पर विजय पाते ही हैं, जिन पर विजय पाना तो दूर उनका सामना करने तक से डर लगता है। बीमारी भी ऐसी ही कठिनाइयां होती हैं। सच बहुत अच्छा है, लेकिन छह साल के बच्चे का इस तरह से सच का सामना करना बहुत डराता है। आहत करता है। कुछ सच छिपा लेने में ही भलाई है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लिव इन रिलेशन को गैरकानूनी बनाने की मांग

(लेखक - सनत जैन/ईएमएस)

विश्व हिंदू परिषद और उससे जुड़े हुए साधु संत समाज में लिव इन रिलेशनशिप में रहने की जो प्रवृत्ति युवाओं में बढ़ती जा रही है। अब उसके विरोध में उठ खड़े हुए हैं। हिंदू समाज और संगठनों का मानना है कि लिव इन रिलेशनशिप के कारण सामाजिक मर्यादायें खत्म हो रही हैं। आपसी संबंधों में अपराधिक एवं हिंसक घटनाएं बढ़ने लगी हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज माघ मेले में 25 जनवरी से विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित संत सम्मेलन आयो जित हो रहा है। जहां इसके बारे में रणभेरी फूंकी जाएगी। संत सम्मेलन में 500 से अधिक संतो को विश्व हिन्दू प रिषद ने आमंत्रित किया है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता राम मंदिर ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य वासुदेवानंद सरस्वती को सौंपी गई है। विश्व हिंदू परिषद का मानना है कि लिव इन रिलेशनशिप कानून को खत्म करने के लिए सभी साधु संत और सनातन धर्म से जुड़े हुए लोगों को सरकार के ऊपर दबाव बनाने की जरूरत है। सरकार रिलेशनशिप कानून को खत्म कर दे। इसके लिये साधु-संत और विहिप एक अभियान चलायेगा। संत सम्मेलन में फिल्म पठान और श्रद्धा वाकर हत्याकांड पर चर्चा की जाएगी। फिल्मों और सीरियल में सनातन धर्म की आस्था के खिलाफ यदि कोई भी फिल्म और सीरियल बनाए जाएंगे तो उसके बारे में भी कठोर निर्णय लेने की बात कही जा रही है। इसी तरह श्रद्धा हत्याकांड में जिस तरह से लिव इन रिलेशनशिप में रहते हुए युवती की हत्या की गई। उसके कई टुकड़े करके अपराध को छुपाने की कोशिश की गई। हिन्दू लड़की अन्य धर्म के युवा के साथ लिव-इन रिलेशन में रहते थे। इसके विरोध में देश भर में विश्व हिंदू परिषद अलख जगाने के लिए संत सम्मेलन में इस पर चर्चा करके विरोध में देशभर में एक अभियान चलाने की नी ति पर काम कर रहा है। 2023 में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं। विश्व हिंदू परिषद संत सम्मेलन

के माध्यम से एक बार फिर हिंदुओं को एकजुट करने के लिए गंगा प्रदूषण गौ रक्षा हिंदू समाज को एकजुट करने धर्मांतरण तथा फिल्म और सीरियल में जिस तरीके से हिंदू देवी देवताओं का मजाक उड़ाया जाता है। हिन्दुओं की आस्थाओं के साथ खिलवाड़ किया जाता है। उसके लिए साधु-संतों से समाज में जागृति फैलाने के लिए एक अभियान चलाने की रणनी ति तय की जाएगी। पिछले कई दिनों से संत सम्मेलन के पहले कई वरिष्ठ संतो से इस मामले पर विश्व हिंदू परिषद ने लगातार संपर्क स्थापित कर प्रस्ताव का एजेंडा तैयार कर लिया है। अगले साल राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। ऐसी स्थिति में एक बार फिर हिंदुत्व को लेकर बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने के लिए विश्व हिंदू परिषद तैयारी कर रहा है। चुनाव के ठीक पहले विश्व हिंदू परिषद और उससे जुड़े हुए साधु संत बड़े पैमाने पर हिंदुत्व की रक्षा करने के लिए इसी तरीके के गतिविधियां पिछले 30 वर्षों में देखने को मिलती रही हैं। इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज माघ मेले में जो संत सम्मेलन हो रहा है। वह लोकसभा और 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर एक हिंदू आस्था को एकजुट करने के लिए रणनीति विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से जा रही है। चुनावों के पहले इसी तरह से भावनाओं को भड़काकर एक माहौल बनाया जाता है। माघ मेले में एक बार फिर साधु-संतों को हिन्दूत्व की रक्षा करने के लिए विश्व हिन्दू परिषद सक्रिय हो गया है।

(चिंतन-मनन)

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते दुष्ट को संत बनते संत को दुष्टता पर उतरते कंजूस को उदार उदार को कंजूस विषयी को तपस्वी तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन रोग-नीरोग अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन मूर्ख-विद्वान घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगी हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता अवसाद अवास आलस्य आवेश दैन्य आदि से दूषित हो रहा है उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

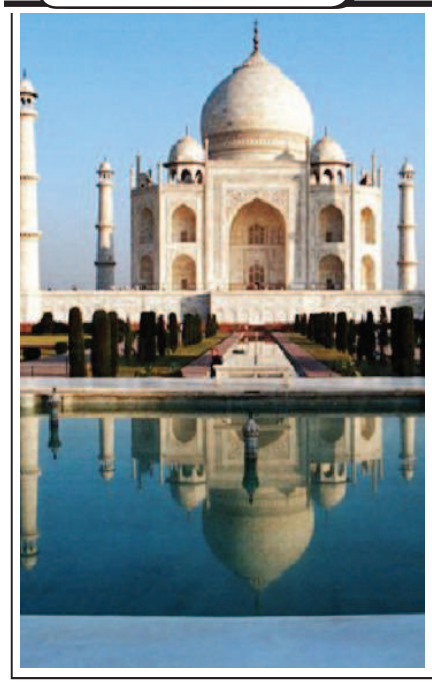

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते है। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्कलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

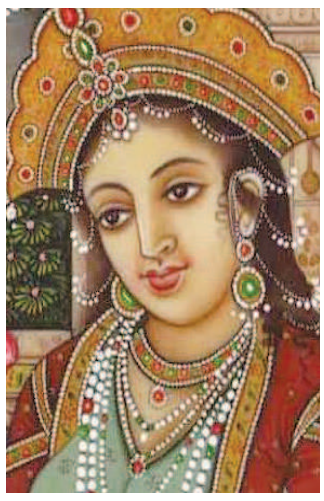

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारें हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवतः आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्कलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नींव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

Welldone@asia.com – The Digital Market That Provides Customer Service & Security.

Imagine a world where you can buy and sell anything and everything without having to worry about security or customer service. Sounds too good to be true, right? Well, that's where Welldone comes into play. We are a digital marketplace that provides a safe and secure platform for buying and selling of goods and services. Not only that, but we also offer world-class customer service, so you can be sure that any issues will be resolved promptly. So whether you are looking for security in buying and selling, Welldone is the perfect place for you! We offer QR code, which protects you from data theft.

Welldone is a digital marketplace that provides customer service and security. We are dedicated to providing an excellent e-commerce experience for our customers. We are the only digital marketplace that provides 24/7 customer service. Our team of experts is always available to assist you with any problem or query you may have. We also offer a secure payment system, so you can shop with confidence. We understand that online shopping can be a daunting experience, so we are here to help make it as easy and stress free as possible. When you're shopping online, it's important to know that your information is safe and your transactions are secure. That's where Welldone comes in. We use the latest QR code security technologies to ensure that your personal information is protected at all times. Now you can step into the online market with Welldone, and be sure that your transactions are secure and your information is confidential.

Welldone takes data privacy seriously. We have a strict policy of not selling or sharing customer data with any third parties. Our systems are also encrypted to ensure that all data remains secure at all times. We also have a team of highly experienced professionals dedicated to ensuring the safety and security of our customers' data. They work round the clock to monitor and protect our systems from any potential vulnerabilities. So if you are looking for a digital marketplace that you can trust to keep your data secure and private, Welldone is the right choice!

You can be sure that your safety is always at the top of Welldone's priorities. In terms of data security, we take a number of measures to ensure that no one has access to your personal information. We use state-of-the-art encryption technology, regularly monitor our servers and network to ensure that information is not leaked, and undergo third-party security audits and reviews. We also have a team of cyber security experts on standby to address any data breaches that may occur. Additionally, we ensure that any employees with access to sensitive customer data are trained in the latest security protocols. All these measures together make Welldone one of the most secure digital marketplaces!

You might be wondering how QR code typing works with Welldone. Well, it's a very clever system indeed! It works by having customers scan a QR code before making a purchase. This creates a secure connection point between the customer and the seller, thereby enhancing both customer service and security on the platform. As items are being scanned, it also allows sellers to track where the product is going, so they can better monitor delivery times and ensure packages are sent to legitimate customers. This makes it easy to keep track of items in transit and also helps prevent fraud. QR code typing essentially guarantees that every transaction on Welldone is both secure and hassle-free. This is just one more way that Welldone leaves no detail behind when it comes to providing outstanding customer service!

Welldone provides QR code entry/typing jobs to those who are looking for freelance work, it is a fun and responsible job that can earn you good money. It also gives you QR code marketing tips and classes. You can earn good money by submitting QR codes of Daily and can also earn profits with their referring concept. Double your QR code entry income by referral concept. Earn on each matching business of your left and right team. Income according to the booster holder in your downline as well as create more and more boosters in your downline and get good rewards. Become royalty holder and earn for life, 1% CTO to all Diamond Achievers. Car Fund for Silver Achievers. Take advantage of which take your earned car home. Become a House Fund achiever and get your dream home. You can earn from Rs 60 to Rs 5 lakh by joining full time part time in QR code entry work. If you are interested in QR code insertion then mail us on welldone@asia.com .

Welldone is a digital market that provides superior customer service and security. Their data privacy practices are top-notch, and their anti-theft measures are some of the best in the business. They're always looking for talented individuals to help with their QR code typing skills, so be sure to check them out!

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी दिग्गज कंपनियों टाटा स्टील एचडीएफसी बैंक और एलटी के शेयरों में उछाल से बाजार में ये बढ़त आई है। कारोबार के दौरान टाटा स्टील एचडीएफसी बैंक और एलटी के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 390 अंकों की बढ़त के साथ 61045 पर जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112 अंकों की मजबूती के साथ 18165 पर बंद हुआ। आज धातु बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। टाटा स्टील में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई और इसमें 2.4 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा एलटी विप्रो एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के शेयरों में उछाल रहा। वहीं दूसरी ओर टाटा मोटर्स अल्ट्राटेक सीमेंट और इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई। दिन भर के कारोबार के दौरान आज 30 स्टॉक में से 27 लाभ के साथ ही हरे निशान पर हुए बंद हुए। सेंसेक्स इंडेक्स के 30 स्टॉक में से 23 में तेजी रही। वहीं 7 स्टॉक गिरावट के साथ बंद हुए। टाटामोटर्स 1.65 फीसदी की गिरावट के बाद 408.40 पर बंद हुआ। आज निफ्टी पर हिंडाल्को टाटा स्टील एलटी यूपीएल और विप्रो में सबसे ज्यादा उछाल रहा। वहीं टाटा मोटर्स अडाणी एंटरप्राइजेज एचडीएफसी लाइफ अल्ट्राटेक सीमेंट और बीपीसीएल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच भी एसबीआई टाटा और एसीएल जैसी कंपनियों के शेयरों में आये उछाल से बाजार ऊपर आया है। इसी कारण दुनिया भर के बाजारों में दबाव के बाद भी निवेशक घरेलू बाजार में खरीददारी करते दिखे। इससे बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सुबह अच्छी शुरुआत के बाद तीस शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेके स 60 अंकों की बढ़त के साथ ही 6716 पर खुला और उसने कारोबार करना शुरु किया। वहीं पचास शेयरों पर अधारित एनएसई निफ्टी भी 21 अंक बढ़कर 18074 पर खुला।

आज भारत में एक दिन में कारोबार शुरू करना संभव : अनुराग जैन

नई दिल्ली । मोदी सरकार में शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के माहौल में सुधार से अब देश में एक दिन में कारोबार शुरू करना संभव हुआ है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अनुराग जैन ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2023 में कहा कि श्रम कानूनों के मोचें सहित भारत में व्यापार करने में आसानी को और बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी श्रम कानूनों को चार संहिताओं में समेकित किया गया है जिन्हें संसद द्वारा पारित किया गया और सरकार उनके अंतिम कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है। डब्ल्यूईएफ की बैठक से इतर उद्योग ब्रेकफास्ट सत्र में जैन ने कहा कि केंद्र जहां श्रम संहिता में सभी राज्यों की सहमति मांग रहा है वहीं कई राज्यों ने इन संहिताओं से संबंधित नियमों का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया है।

मारुति सुजुकी ने अपने 6 मॉडल की 17362 यूनिट्स को रिकॉल किया

मुंबई । भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा कि वह अपने 6 मॉडल ऑल्टो के 10 एक्सप्रेसो ईको ब्रेजा बेलेनो और ग्रेड विटारा की 17362 यूनिट्स को वापस बुला रही है। कंपनी की ओर से रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। बताया गया है कि इन मॉडलों में एयरबैग से जुड़ी खराबी हो सकती है। रिकॉल के द्वारा इस खराबी को ठीक किया जाएगा। इन सभी मॉडलों को 8 दिसंबर 2022 से 12 जनवरी 2023 के बीच बनाया गया था। कंपनी ने बताया कि रिकॉल की जा रही कारों को कंपनी के सर्विस सेंटरों पर चेक किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर खराब एयरबैग कंट्रोलर हिस्से को बदला जाएगा। ऐसी संभावना है कि इस खराबी की वजह से दुर्घटना की स्थिति में एयरबैग और सीट बेल्ट प्रेटेंसर अपना काम करने में फेल हो सकते हैं। कंपनी ने संदिग्ध वाहनों के ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि जब तक प्रभावित हिस्से को बदल नहीं दिया जाता है तब तक वाहन न चलाएं या इसका उपयोग न करें। प्रभावित वाहन मालिकों को तत्काल ध्यान देने के लिए मारुति सुजुकी डीलरशिप से मैसेज मिलेगा। इससे पहले मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में लगभग 1.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। अप्रैल 2022 के बाद चालू वित्तीय वर्ष में यह दूसरी बार है जब कंपनी ने कीमतों में बढ़ोतरी की है।

रतन टाटा ने मनाया अपनी सबसे प्यारी कार इंडिका का बर्थ-डे

नई दिल्ली ।

देश के दिग्गज कारोबारी रतन टाटा ने हाल ही में अपनी सबसे प्यारी कार की 25वीं एनिवर्सरी मनाई। उद्योगपति ने इंस्टाग्राम पर कार के साथ खुद की एक फोटो भी शेयर की है। मजेदार बात यह है कि टाटा मोटर्स और जैगुआर-लैंडरोवर जैसी लग्जरी कार कंपनियों के मालिक की यह फेवरेट कार कोई और नहीं बल्कि देश की सबसे पहली स्वदेशी कार इंडिका है। अपने जमाने में इंडिका कभी इतनी लोकप्रिय हुआ करती थी कि हर किसी की जुबान पर इसका ही नाम हुआ करता था।

टाटा समूह द्वारा बनाई गई इस कार ने देश में पैसेंजर कार सेगमेंट में क्रांति ला दी थी। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए फोटो में इंडिका के साथ युवा रतन टाटा को पोज देते हुए देखा जा सकता है। फोटो के कैप्शन में टाटा ने लिखा है 25 साल पहले टाटा इंडिका की लॉन्चिंग के साथ भारत में स्वदेशी पैसेंजर कार उद्योग की शुरुआत हुई। यह यादें मेरे दिल में एक खास जगह रखती हैं। पोस्ट को 2 दिन में 4 मिलियन से ज्यादा लाइक्स और 20000 से ज्यादा कमेंट्स आ चुके हैं। कई यूजर्स कमेंट सेक्शन में टाटा इंडिका के साथ अपने एक्सपीरियंस भी शेयर कर रहे हैं। टाटा मोटर्स ने पहली बार 1998 में इंडिका को लॉन्च किया था उस वक्त इसे भारतीय बाजार में काफी पसंद किया गया। इसकी शुरुआत के दो साल के भीतर कार सफल साबित हुई। इसका फायदा तब तक सिर्फ कमर्शियल वाहन बनाने वाली टाटा मोटर्स को भी हुआ। भारतीय बाजार में लोग टाटा मोटर्स को भी पसंद करने लगे। हालांकि 20 साल बाद 2018 में टाटा मोटर्स ने इस हैचबैक को बंद कर दिया और इसकी जगह ज्यादा एडवांस और प्रीमियम कारों ने ले ली। कई लोगों के पास आज भी टाटा इंडिका देखने को मिल जाती है। टाटा इंडिका को भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया था। शुरू में जब यह कार लॉन्च हुई तो लोगों ने इसे इतनी जल्दी नहीं अपनाया लेकिन बाद में शानदार फ्यूल एफिशिएंसी पावरफुल इंजन और बेहतरीन डिजाइन की वजह से यह भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के इतिहास में सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक बन गई। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 20 सालों में 14 लाख से ज्यादा कारें बिकीं। इसका मतलब देश के 14 लाख परिवारों की यह पसंद बन गई थी।

बजट में पीएलआई का दायरा बढ़ा सकती है केंद्र सरकार इस योजना में कई और सेक्टर किए जा सकते हैं शामिल

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को आम बजट 2023-24 पेश करेंगी। हर साल की तरह इस साल भी हर सेक्टर की उम्मीदें सरकार से बनी हुई हैं। इस बार बिजनेस सेक्टर को बजट से खुशखबरी मिलने की उम्मीद है। बिजनेस लीडर्स को उम्मीद है कि सरकार दूसरे सेक्टर्स को भी पीएलआई स्कीम के तहत लाने का प्रयास कर सकती है। बिजनेस लीडर्स का मानना है कि पीएलआई स्कीम फायदेमंद रही है और अब इसे देखते हुए सरकार इसका दायरा बढ़ाने पर विचार कर सकती है। इस सर्वे में शामिल कई लीडर्स का कहना था कि इस बार के आम बजट में अलग-अलग उद्योगों के विकास के लिए उपाय शामिल होंगे। जिसके तहक सरकार घरेलू मांग और पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर भी बजट में फोकस करेगी। उनका यह भी मानना है कि बजट में 'अमृत काल' पर फोकस होगा। सर्वे के नतीजों के मुताबिक कैपिटल एक्सपेंडिचर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और प्राइवेट पार्टनरशिप पर फोकस इकोनॉमिक ग्रोथ के लिए अहम होंगे। सर्वे में शामिल 60 फीसदी विशेषज्ञों ने कहा कि सरकारी बॉन्ड्स के जरिए पैसे जुटाने की कोशिश होनी चाहिए। बता दें इस सर्वे में बजट को लेकर उद्योग की सरकार से क्या उम्मीदें हैं इसे जानने की कोशिश की गई। इस सर्वे में अलग-अलग 10 इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स ने हिस्सा लिया। सर्वे में शामिल हुए 70 फीसदी एक्सपर्ट्स ने माना कि पीएलआई स्कीम से इंडस्ट्री को फायदा हुआ है। सरकार इस स्कीम के तहत 14 सेक्टर को ला चुकी है। इसके लिए करीब 2 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। इनमें ऑटोमोबाइल्स एंड ऑटो कंपोनेंट्स व्हाइट गुड्स फार्मा टेक्सटाइल्स फूड प्रोडक्ट्स हाई-एफिशिएंसी

सोलर पीवी मॉड्यूल्स एडवॉन्स कमेस्ट्री सेल्स और स्पेशियलिटी स्टील शामिल हैं। सर्वे में एक्सपर्ट्स ने कहा कि सरकार लेदर बायसिकिल कुछ वैक्सीन मैटेरियल और कुछ टेलीकॉम प्रोडक्ट्स को भी पीएलआई स्कीम के दायरे में ला सकती है। एक्सपर्ट्स ने कहा कि कई देशों की इकोनॉमी पर स्लोडाउन का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में सरकार बजट में इंडस्ट्री की ग्रोथ बढ़ाने वाले उपायों का ऐलान कर सकती है।

गोल्डमैन सैक ने सुबह 7.30 बजे मीटिंग में बुलाकर 3 हजार कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली । वैश्विक निवेश फर्म गोल्डमैन सैक ने बुधवार सुबह 7.30 बजे 3000 से अधिक कर्मचारियों को बिजनेज मीटिंग में बुलाकर बर्खास्त कर दिया और वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ बैठकें झूठे बहाने के तहत गूगल कैलेंडर पर डाल दी गईं। गोल्डमैन सैक के सीईओ डेविड सोलोमन ने लक्षित कर्मचारियों को पिछले सप्ताह अपने न्यूयॉर्क मुख्यालय में झूठी बिजनेस मीटिंग के लिए बुलाया। जब कर्मचारी सम्मेलन कक्ष में पहुंचे उन्हें उनके प्रबंधकों द्वारा बताया गया कि उन्हें निकाला जा रहा है। अंदरूनी सूत्रों के हवाले से कहा गया प्रबंधकों को ऐसा करने के लिए खेद था लेकिन वह मजबूर थे और उन्होंने उन्हें शुभकामनाएं दीं। बर्खास्त किए गए लोगों को तुरंत कार्यालय छोड़ने या सहकर्मियों के आने की प्रतीक्षा करने का विकल्प दिया गया ताकि वे अलविदा कह सकें। गोल्डमैन सैक के प्रवक्ता ने कहा कि फर्म छोड़ने वाले लोगों के लिए यह एक कठिन समय है। प्रवक्ता ने कहा हम अपने सभी लोगों के योगदान के लिए आभारी हैं और हम उनके बदलाव को आसान बनाने के लिए सहायता प्रदान कर रहे हैं।

हुंडई ने कर दिया निराश! भारत में बंद किए क्रेटा वेरना और आई20 जैसी गाड़ियों के 11 मॉडल

नई दिल्ली ।

हुंडई भारत में सबसे लोकप्रिय कार कंपनियों में से एक है। कंपनी भारत में कुछ कई पॉपुलर कार और एसयूवीएस बेचती है। यह हैचबैक से लेकर सेडान और एसयूवी से शुरू होने वाले कई सेगमेंट में कई गाड़ियां बेचती है। अब इस दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता ने भारतीय बाजार में आई20 वरना और क्रेटा जैसी कारों के कुछ वेरिएंट को बंद करने का फैसला किया है।हुंडई इंडिया ने भारत में अपनी कारों के कुल 11 मॉडलों को हटाने का फैसला किया है। रियल ड्राइविंग एमिशन (आरडीई) के जल्द ही प्रभावी होने के कारण इतने सारे वेरिएंट को हटाया जा रहा है। साथ ही ग्राहकों की पसंद ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। हटाए गए मॉडलों में कई ऐसे वैरिएंट भी हैं जिन्हें ग्राहक कम पसंद कर रहे थे।बताया जा रहा है कि हाल ही में आए आरडीई नियमों की वजर से बढ़ती इनपुट लागत और कीमत बढ़ोतरी के बीच ऑटोमेकर पहले से ही संतुलन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। इस मामले में कम लोकप्रिय मॉडल या वेरिएंट को बंद करने से निर्माण प्रक्रिया को सरल बनाकर उत्पादन लागत को बढ़ाने में मदद मिलेगी।सबसे छोटे मॉडल से शुरुआत करते हुए हुंडई आई20 लाइनअप में कुल मिलाकर चार वेरिएंट कम होंगे। मैन्युअल ट्रांसमिशन के साथ केवल 1.0 एल टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल आई 20 स्पोर्ट्स मॉडल सीमित संख्या में उपलब्ध कराया जाएगा। एस्टा (ओ) एमटी मैग्ना एमटी और स्पोर्ट्स एमटी सहित अन्य डीजल-संचालित मॉडल को हटा दिया गया है।दूसरी ओर हुंडई वेरना के

वेरिएंट्स में बड़ी कमी देखने को मिलेगी क्योंकि सेडान के कुल पांच वेरिएंट्स बंद किए गए हैं। दूसरी तरफ हुंडई क्रेटा कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी है यह देखते हुए दक्षिण कोरियाई निर्माता ने एसयूवी के सिर्फ 2 मॉडल ही बंद किए हैं। जब डीजल पावरट्रेन की बात आती है तो आरडीई के नए नियमों की वजह से छोटे वाहनों या उन वाहनों को बंद कर दिया जाएगा जहां डीजल मॉडलों की मांग कम है।

एचआर और इंजीनियरिंग विभागों से 11 हजार कर्मचारियों की छंटनी करेगी टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली ।

दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में गिनी जाने वाली माइक्रोसॉफ्ट इस साल हजारों कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने वाली है। बताया जाता है कि यह छंटनी एचआर और इंजीनियरिंग विभाग में की जाने वाली है। कंपनी सूत्रों के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट अपने मानव संसाधन का 5 फीसदी कम करना चाहता है। इसका मतलब है कि कंपनी करीब 11000 लोगों को नौकरी से निकालेगी। हालांकि इस पर कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट में छंटनियों का एक और दौर यह बता रहे कि हालात अभी सुधरने की बजाय और बिगड़ रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट अपने एचआर विभाग से 1/3 लोगों को बाहर कर सकती है। इस बार की छंटनी पिछले कई सालों में सबसे बड़ी होगी। कंपनी के पास 30 जून 2022 तक कुल 221000 का वर्किंग स्ट्रेंथ थी। इसमें से 122000 लोग अमेरिका में और बाकी 99000 अन्य देशों में कार्यरत थे।पिछले कई तिमाहियों में पर्सनल कंप्यूटर की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। इसकी वजह से कंपनी के विंडोज और अन्य डिवाइस की सेल भी काफी प्रभावित हुई है। यही कारण था कि पिछले साल जुलाई में कंपनी ने कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। कंपनी ने तब कहा था कि बहुत छोटी संख्या को बाहर किया गया है जबकि अक्टूबर में न्यूज वेबसाइट एक्सिओस ने बताया था माइक्रोसॉफ्ट ने करीब 1000 लोगों की छंटनी की थी। माइक्रोसॉफ्ट ऐसी पहली टेक कंपनी नहीं है जो इस साल बड़े स्तर पर छंटनी करने की योजना बना रही है। इससे पहले अमेजन सेल्सफोर्स और कॉइनबेस की अगुआई में 91 टेक कंपनियों ने साल के पहले 15 दिनों में ही 24151 लोगों की छुट्टी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब गूगल भी बहुत बड़े स्तर पर छंटनी की तैयारी में लग गई है। कहा जाता है कि गूगल भी करीब 11000 लोगों की छंटनी करेगी। टेक कर्मचारियों के लिए साल 2022 भी काफी निराशाजनक रहा था। मेटा ट्विटर ओरेकल स्नैप और इंटेल समेत कई अन्य टेक कंपनियों ने पिछले साल कुल 153110 छंटनियां की थी। केवल नवंबर के महीने में ही 51489 लोगों को बाहर कर दिया गया था।

कई राज्यों में बढ़ीं पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं हालांकि चारों महानगरों में इसके दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें करीब 2 डॉलर प्रति बैरल ऊपर आयी हैं। इससे ब्रेंट क्रूड का भाव 86 डॉलर से आगे निकल गया है। तेल कंपनियों की ओर से की गयी बढ़ोतरी के बाद राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 113 रुपये लीटर से भी ऊपर निकल गयीं पर दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में इसके दाम नहीं बढ़े हैं। वहीं बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 88 पैसे महंगा होने के साथ ही 108.12 रुपये लीटर हो गया है। इसके अलावा डीजल 82 पैसे बढ़कर 94.86 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में पेट्रोल 9 पैसे महंगा होकर 113.20 रुपये लीटर जबकि डीजल 8 पैसे महंगा होकर 97.98 रुपये लीटर पहुंच गया। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है. कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे के दौरान इसकी कीमतों में भी जबरदस्त उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डॉलर की बढ़त के साथ आज 86.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यू टी आई का भाव भी करीब 3 डॉलर ऊपर आकर 80.73 डॉलर डॉलर प्रति बैरल हो गया है.

दिल्ली में पेट्रोल पहले की तरह ही 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

बीवायडी सील इलेक्ट्रिक सेडान का इंडिया लॉन्च कन्फर्म एक बार चार्ज करने पर 700केएम दौड़ेगी

नई दिल्ली । बीवायडी सील एक पावरफुल इलेक्ट्रिक सेडान है जो ओशन एक्स कॉन्सेप्ट पर आधारित है। इसमें ओशन एस्थेटिक्स स्टाइलिंग शामिल है। इसे ग्रेटर नोएडा में चल रहे 2023 ऑटो एक्सपो में ब्रांड के पवेलियन में शोकेस किया जा चुका है। चीन का बीवायडी(बिल्ड योर ड्रीम्स) दुनिया का सबसे बड़ा ईवी निर्माता है और इसने हाल ही में एट्टो 3 इलेक्ट्रिक एसयूवी पेश की है।मोटर शो में बीवायडी ई6 इलेक्ट्रिक एमपीवी और अटटो 3 इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ सील प्रदर्शित की गई है और इस त्योहारी सीजन के लिए इसके भारत लॉन्च की पुष्टि की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बीवाईडी सील पावरफुल टेस्ला मॉडल 3 की पसंद के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करती है। कार का इंटीरियर और एक्सटीरियर दोनों ही बेहद शानदार हैं।पांच-सीटर इलेक्ट्रिक सेडान सिंगल और डुअल-मोटर कॉन्फिगरेशन दोनों में उपलब्ध है जिसमें डुअल-मोटर एडब्ल्यूडी वैरिएंट 530 एचपी का संयुक्त पावर आउटपुट और 3.8 सेकंड का 0-100 किमी प्रति घंटे का एक्सिलरेशन ऑफर करता है। केबिन के अंदर बीवायडी सील में अटटो 3 की तरह एक घूमने योग्य टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम एक हेड-अप डिस्प्ले और एक डुअल-टोन केबिन थीम है। कार बीवायडी की ब्लेड बैटरी तकनीक का उपयोग करती है जो दो अलग-अलग क्षमताओं 61.4 केडब्लूएच और 82.5केडब्लूएचमें उपलब्ध है। 61.4केडब्लूएच की बैटरी की रेंज लगभग 550 किमी है जबकि बड़ी बैटरी एक बार चार्ज करने पर 700 किमी तक जा सकती है। कंपनी की स्थापना लगभग 30 सास पहले चीनी अरबपति वांग चुआनफू ने बैटरी निर्माता के रूप में की थी और यह 2003 से कंपनी व्हीकल्स बना रही है।

शीर्ष भारतीय पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के खिलाफ धरना दिया

(एजेंसी) ओलम्पिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक तथा विनेश फोगाट और अन्य शीर्ष भारतीय पहलवानों ने बुधवार को जंतर मंतर पर भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ धरना दिया। बजरंग ने ट्विटर पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा, खिलाड़ी अपने देश के लिए पदक जीतने के वास्ते कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन फेडेरशन ने हमें नीचा दिखाने के सिवा कुछ नहीं किया है। खिलाड़ियों को मनमाने कानून लागू कर प्रताड़ित किया जा रहा है। साक्षी मलिक ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, हम चार बजे डब्ल्यूएफआई के अधिकारियों से मिलेंगे और अपने मुद्दों पर चर्चा करेंगे। तब तक हम यहां बैठे हैं। बजरंग ने ट्विटर पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा, खिलाड़ी अपने देश के लिए पदक जीतने के वास्ते कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन फेडेरशन ने हमें नीचा दिखाने के सिवा कुछ नहीं किया है। खिलाड़ियों को मनमाने कानून लागू कर प्रताड़ित किया जा रहा है।

वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने शुभमन गिल

हैदराबाद,(एजेंसी)

भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने बुधवार को यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में शानदार दोहरा शतक लगाकर रिकॉर्ड लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा लिया। गिल की शानदार पारी ने उन्हें खेल के इतिहास में सिर्फ आठ खिलाड़ियों में से एक के रूप में एलीट क्लब में शामिल करवा दिया, जिन्होंने पुरुषों के एकदिवसीय मैच में दोहरा शतक बनाया है, जिसमें वह प्रतिष्ठित क्लब में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। पहले वनडे में खेलते हुए गिल 23 साल और 132 दिन के थे। इससे पहले, सबसे कम उम्र के ईशान किशन थे, जिन्होंने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 24 साल और 145 दिन की उम्र में 210 रन बनाकर रिकॉर्ड बनाया था। गिल अंतिम ओवर में 149 गेंदों में 208 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 19 चौके और नौ छक्के शामिल थे और भारत को 349/8 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। पारी में अगला सर्वोच्च स्कोर कप्तान रोहित शर्मा का 34 रन था। इस प्रक्रिया में, वह अपनी 19वीं एकदिवसीय पारी में 106 रन बनाकर सबसे तेज 1000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय क्रिकेटर भी बने। गिल ने वनडे क्रिकेट में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा, जिन्होंने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में सीरीज के अंतिम मैच में श्रीलंका के खिलाफ 97 गेंदों में 116 रनों की पारी खेली थी। गिल ने विराट कोहली और शिखर धवन को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने संयुक्त रूप से पिछले रिकॉर्ड को 24 पारियों में सबसे तेज भारतीय और वनडे मैचों में संयुक्त रूप से सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड बनाए थे। उन्होंने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमान-उल-हक की 19 पारियों में 1000 रन के आंकड़े की बराबरी की, जबकि पाकिस्तान के एक अन्य सलामी बल्लेबाज फखर जमान के 18 पारियों में सबसे तेज 1000 रन बनाने के रिकॉर्ड से चूक गए। इस प्रक्रिया में, वह अपनी 19वीं एकदिवसीय पारी में 106 रन बनाकर सबसे तेज 1000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय क्रिकेटर भी बने। गिल ने वनडे क्रिकेट में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा, जिन्होंने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में सीरीज के अंतिम मैच में श्रीलंका के खिलाफ 97 गेंदों में 116 रनों की पारी खेली थी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

नडाल दूसरे दौर में बाहर

मेलबर्न , (एजेंसी)

मौजूदा पुरुष एकल चैम्पियन राफेल नडाल आस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता बुधवार को रॉड लेवर एरिना में अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड से सीधे सेटों में हारने के कारण चोटिल हो गए। नडाल 4-6, 3-5 से पीछे चल रहे थे, जब उन्होंने एक फोरहैंड का पीछा करने के लिए मेडिकल टाइम-आउट लिया, जो चोट के कारण दर्द में थे। 36 वर्षीय स्पैनियार्ड ने फिर मैच में वापसी की, लेकिन वे शारीरिक रूप से फिट नहीं थे और मैकडोनाल्ड ने दो घंटे 32 मिनट में 6-4, 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की। मैकडोनाल्ड ने मैच के बाद कहा, जिस तरह से मैंने उस मैच की शुरूआत की, उससे मैं खुश हूं। मुझे लगा कि मैं अच्छा खेल रहा हूं साथ ही शानदार वापसी भी कर रहा हूं। 36 वर्षीय स्पैनियार्ड ने फिर मैच में वापसी की, लेकिन वे शारीरिक रूप से फिट नहीं थे और मैकडोनाल्ड ने दो घंटे 32 मिनट में 6-4, 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः स्वीयाटेक ने ओसारियो को हराया

मेलबर्न, (एजेंसी)

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की इंगा स्वीयाटेक ने वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। स्वीयाटेक ने कोलंबिया की कैमिला ओसारियो को 84 मिनट में 6-2, 6-3 से पराजित किया। यह उनकी मेजर टूर्नामेंट में दूसरे दौर में लगातार 12वीं जीत है। स्वीयाटेक 2019 यूएस ओपन के बाद किसी मेजर टूर्नामेंट में तीसरे दौर से पहले नहीं हारी हैं। ओसारियो ने मैच में संघर्ष क्षमता दिखाई और मैच में तीन बार स्वीयाटेक की सर्विस तोड़ी लेकिन स्वीयाटेक का पावर गेम अंत में निर्णायक साबित हुआ। उन्होंने अपने फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल किया और 13 रैली विनर्स लगाए। दूसरी तरफ नंबर तीन सीड जेसिका पेगुला ने अलिअक्सान्द्रा सस्नोविच को 6-2, 7-6(5) से पराजित किया और तीसरे दौर में जगह बना ली। वह पिछले 10 मेजर्स में नौवीं बार अंतिम 32 में पहुंची हैं। ओसारियो ने मैच में संघर्ष क्षमता दिखाई और मैच में तीन बार स्वीयाटेक की सर्विस तोड़ी लेकिन स्वीयाटेक का पावर गेम अंत में निर्णायक साबित हुआ। उन्होंने अपने फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल किया और 13 रैली विनर्स लगाए।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर 7-0 से शानदार जीत दर्ज की

केपटाउन, (एजेंसी)

अपने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां दक्षिण अफ्रीका दौरे के अपने दूसरे मैच में घरेलू टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7-0 से शानदार जीत दर्ज की। एफआईएच महिला नेशंस कप में अपनी हालिया सफलता पर सवार खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म दिखाया है। उन्होंने अभियान की शुरूआत 5-1 से जीत के साथ की और आज उन्होंने वही इरादा दिखाया, जैसा उन्होंने नौवें मिनट में उदिता के शानदार गोल से शुरू किया। गोलकीपर सविता की अगुआई वाली टीम ने दूसरे क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बढ़ा दिया, जिससे कुछ शक्तिशाली हमलावर संयोजन बन गए। वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने सोमवार को अपने पहले मैच में सीनियर महिला टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। उन्होंने 22वें मिनट में भारत के लिए दूसरा गोल किया। इसके बाद अनुभवी फारवर्ड रानी ने शानदार गोल किया, जो 2022 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान अपना पिछला मैच खेलने के लगभग छह महीने बाद वापसी कर रही हैं। उन्होंने शुरूआती गेम में भारत का पहला गोल भी किया था। दूसरे क्वार्टर के अंत तक भारत ने 3-0 की बढ़त को 6-0 तक पहुंचा दिया था।

संक्षिप्त समाचार

डोप जांच में पॉजिटिव पाये जाने पर शीर्ष फर्राटा धाविका दुती चंद निलंबित

नई दिल्ली । प्रतिबंधित अनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन के कारण शीर्ष फर्राटा धाविका दुती चंद को निलंबित कर दिया गया है। दुती को हालांकि अस्थायी तौर पर निलंबित किया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया '' दुती चंद को एंडराइन ओस्टराइन और लिगांड्रोल के सेवन के लिए दोषी पाया गया है। दुती को लिखे पत्र में एएएफ अधिसूचना में कहा गया ''मैं आपको सूचित करता हूं कि आपके ए नमूने की एनडीटीएल (राष्ट्रीय डोप टेस्ट प्रयोगशाला) में वाडा (विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी) की प्रक्रिया के तहत जांच की गई और परिणाम पॉजिटिव आया है। यह नमूना पिछले साल पांच दिसंबर को टूर्नामेंट से इतर प्रतियोगिता में लिया गया था। पत्र में दुती को इसके परिणामों के बारे में भी आगाह किया गया है। इसमें कहा गया ''पत्र की विषयवस्तु को ध्यान से पढ़े जिसमें इसके परिणामों के बारे में बताया गया है। वहीं इसको लेकर दुती ने कहा '' मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है। मैने कई टेस्ट दिए हैं पर एएफआई ने मुझे कुछ बताया नहीं है। मुझे सोशल मीडिया से ही इसकी जानकारी मिल रही है। अगर दुती को दोषी पाया जाता है तो उन पर स्थायी प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है।

मैं पूरी तरह मांकडिंग के पक्ष में हूं, यह एक नियम हैः अर्जुन तेंदुलकर

नई दिल्ली, गोवा के आलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने मांकडिंग का समर्थन करते हुए कहा, मैं उन लोगों से असहमत हूं जो इसे खेल भावना के खिलाफ बताते हैं। अर्जुन ने क्रिकेटनेक्स्ट से कहा, मैं पूरी तरह से मांकडिंग के पक्ष में हूं। यह नियम में है। जो लोग कहते हैं कि यह खेल भावना के खिलाफ है, मैं असहमत हूं। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से ऐसा नहीं करूंगा क्योंकि मैं अपने रन अप में विकेट पर मार नहीं सकता। इसके लिए बहुत अधिक प्रयास करना पड़ेगा और मैं इसमें अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करूंगा लेकिन अगर कोई ऐसा करता है, तो मैं इसके पक्ष में हूं। वर्तमान में, अर्जुन रणजी ट्रॉफी में सर्विसेज के खिलाफ खेल रहे हैं, जहां उन्होंने 2.10 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ दो विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से ऐसा नहीं करूंगा क्योंकि मैं अपने रन अप में विकेट पर मार नहीं सकता। इसके लिए बहुत अधिक प्रयास करना पड़ेगा और मैं इसमें अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करूंगा लेकिन अगर कोई ऐसा करता है, तो मैं इसके पक्ष में हूं।

आईसीसी रैंकिंग में विराट और सिराज ने लंबी छलांग लगायी शीर्ष पांच में पहुंचे

दुबई । (एजेंसी)

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को हाल में श्रीलंका के खिलाफ किये शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है और इन दोनो ने आईसीसी की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। विराट बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान के लाभ के साथ ही चौथे स्थान पर पहुंच गये हैं। वहीं सिराज गेंदबाजी रैंकिंग में 15 स्थान की लंबी छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर गये हैं। विराट ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में दो शतक लगाये थे। कोहली के अब कुल 750 अंक हो गये हैं। वहीं पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 887 रेटिंग अंक लेकर नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं जबकि रासी वैन डेर डूसन 766 अंक के साथ ही दूसरे और क्विंटन डी कॉक 759 अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर हैं। कोहली के अलावा भारतीय टीम के युवा सलामी शुभमन गिल तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और स्पिनर कुलदीप यादव भी श्रीलंका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव दो मैचों में पांच के साथ ही सात स्थान ऊपर आकर 21वें स्थान पर आ गये हैं। शुभमन ने सीरीज के दौरान एक शतक और एक अर्धशतक लगाया और 69 की औसत से 207 रन बनाये। इससे वह बल्लेबाजी रैंकिंग में दस स्थानों के लाभ के साथ ही 26 वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी रैंकिंग में सिराज ऊपर आये हैं। सिराज ने श्रीलंका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में सबसे अधिक 9 विकेट लेने के साथ ही 15 स्थान की लंबी छलांग लगाकर गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरा स्थान पर हासिल किया है। सिराज के अब 685 रेटिंग अंक हैं। वहीं दूसरे स्थान पर रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के 727 और पहले स्थान पर कायम ट्रेंट बोल्ट के 730 रेटिंग अंक हैं।

रोहित घरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

हैदराबाद । (एजेंसी)

टीम इंडिया के बल्लेबाज रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के यहां अपनी 34 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। रोहित ने इस पार में चार चौके और दो छक्के के लगाकर पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ दिया। इसके साथ ही रोहित देश में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। हिटमैन ने अपने करियर के दौरान भारत में कुल 125 छक्के लगाये हैं जबकि इस मामले में अब धोनी 123 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर आ गये हैं। रोहित को मौजूदा दौर के भारतीय क्रिकेटर्स से इस मामले में कोई टक्कर नहीं मिल रही है। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह 71 छक्के के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। अब दर्शकों को रोहित से लंबी पारी का इंतजार है। वह पिछले काफी समय से बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। एकदिवसीय प्रारुप में रोहित ने अंतिम शतक तीन साल पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया था।

अगले माह की शुरुआत में ऋषभ को मिल सकती है अस्पताल से छुट्टी

मुम्बई । टीम इंडिया के क्रिकेटर ऋषभ पंत को अगले दो सप्ताह के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। ऋषभ सर्जरी के बाद से ही यहां तेजी से उबर रहे हैं जिससे प्रशंसकों को राहत मिली है। इस क्रिकेटर की 10 दिन पहले घुटने की सर्जरी हुई थी और उसी के बाद से वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं। इसमें यह देखा जा रहा है कि उनका लिगामेंट स्वाभाविक रूप से ठीक हो रहा हैं या नहीं। एक बार लिगामेंट्स ठीक हो जाने के बाद वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू कर सकते हैं। दो महीने के बाद उनकी स्थिति का फिर से आंकलन होगा। ऐसे में वह चार से छह सप्ताह में खेलना शुरू कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लिगामेंट आमतौर पर चार से छह सप्ताह में ठीक हो जाता हैं। इसके बाद पुनर्वास और मजबूती का काम शुरू होगा। खेलने के लिए उनकी वापसी का मूल्यांकन अगले दो महीनों में किया जाएगा। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को मालूम है कि वापसी की राह आसान नहीं रहेगी। उन्हें काउंसलिंग सत्र से भी गुजरना होगा। इस प्रकार उन्हें मैदान में वापसी में चार से छह माह लग सकते हैं।

महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न कर रहा था बृजभूषण : विनेश फोगाट

नई दिल्ली,(एजेंसी)

ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि उन्होंने महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया। ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया सहित 30 से अधिक पहलवान यहां जंतर-मंतर पर धरना दे रहे थे, जब एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ने संवाददाताओं से बात की तो वह रो पड़ी।विनेश ने कहा कि वह बृजभूषण शरण सिंह द्वारा मानसिक उत्पीड़न की पीड़ित थीं। विनेश ने कहा कि उन्होंने आत्महत्या पर विचार किया था। उन्होंने कहा, डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष और राष्ट्रीय शिविर के कुछ कोचों ने महिला पहलवानों का यौन शोषण किया है। कोई भी इसकी जिम्मेदारी नहीं लेता है। वे पहलवानों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित करने की बात करते हैं। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने मुझे खोटा सिक्का (बेकार) कहा। मैं आत्महत्या करना चाहती थीं।महिला पहलवान ने कहा, मैंने आज खुले तौर पर कहा है, मुझे नहीं पता कि मैं कल जीवित रहूंगी या नहीं। हमने कई बार अनुरोध किया है कि कैंप को लखनऊ से हटा दिया जाए। ऐसा केवल वहीं क्यों होता है? क्योंकि उनके लिए शिकार करना आसान है। विनेश ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री से उत्पीड़न की शिकायत करने के बाद से मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पहलवान डब्ल्यूएफआई प्रशासन में बदलाव की मांग कर रहे हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय खेल प्राधिकरण से डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। बृजभूषण शरण सिंह करीब एक दशक से डब्ल्यूएफआई के प्रभारी हैं। 66 वर्षीय अध्यक्ष को तीन साल के कार्यकाल के लिए 2019 में तीसरी बार डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया था। इस बीच, रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा कि वह कई युवा पहलवानों के लिए विरोध कर रही हैं, जो उनके साथ शामिल नहीं हो पा रहे थे। उन्होंने कहा, हम यहां सभी के लिए हैं।

हमारे चारों ओर इतने सारे युवाओं के चेहरे हैं। इससे पहले दिन में, टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया ने आरोप लगाया कि बृजभूषण शरण सिंह पहलवानों को थप्पड़ मारते थे और उनके साथ अक्सर दुर्व्यवहार करते थे।

उन्होंने कहा, हम यहां सभी के लिए हैं। हमारे चारों ओर इतने सारे युवाओं के चेहरे हैं।

ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच हुए महिला क्रिकेट के दूसरे मैच में मैग लैनिंग टिम ग्रैथ को एकदिवसीय कैप प्रदान करती हुईं।

संयम की राह पर 9 वर्ष की देवांशी का प्रस्थान

देवांशी को पूज्य साध्वीजी श्री दिगंतप्रज्ञाश्रीजी नया नाम मिला

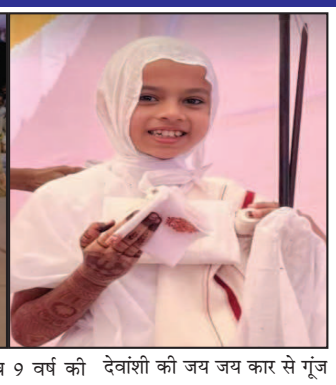

सूरत भूमि, सूरत । 16 डिग्री की कड़कड़ाती ठंड में भी देवांशी की दिशा का साक्षी बनने सुबह 4:00 बजे से धार्मिक प्रेमी अपना स्थान लेना शुरू कर दिया था। 30 हज़ार से अधिक धार्मिक भक्तों के जयकारे के बीच 9 वर्ष की देवांशी ने सूरीराम गुण कृपा प्राप्त प्रवचन प्रभावक जैनाचार्य पूज्य श्री कीर्तियशसुरीश्वर जी महाराज के हाथों रजो हरण स्वीकार कर तपस्या के जीवन की शुरुआत की। इसके बाद दीक्षा मंडप देवांशी की जय जय कार से गूंज उठा।

भेरूतारक तीर्थ स्थापक संघवी सुंदरबेन भेरूमल जी परिवार की पुत्री देवांशी के दीक्षा दान महा महोत्सव के अंतिम दीक्षा दिन बुधवार को सुबह से ही वेसू बलर फार्म में बनी दीक्षा नगरी में लोगों का आगमन शुरू हो गया था। प्रवचन प्रभावक प. पू.आ.भ. श्रीमद् विजय कीर्तिसुरीश्वर जी महाराज, प. पू.आ.भ. श्रीमद् विजय हितप्रज्ञसुरीश्वर जी महाराज, प. पू.आ.भ. श्रीमद् विजयहर्षवर्धनसुरीश्वर जी महाराज, प. पू.आ.भ. श्रीमद् विजय निर्मलदर्शनसुरीश्वर जी महाराज, श्रीमद् विजय हिंकारप्रभसुरीश्वर जी महाराज और विशाल श्रमण श्रमणी भगवंतो का 6:42 पर भव्य प्रवेश हुआ था।

बाद में तुरंत दीक्षार्थी देवांशी का भी अति भव्य प्रवेश हुआ। दीक्षा विधि में गुरुदेव की मांगलिक के बाद बाल वीरांगना देवांशी को विजय तिलक किया गया। उसके बाद गुरु पूजन, प्रभुपूजन, माता-पिता का प्रणाम, गुरु प्रवचन और ऐसे ही उत्सव के क्षण में ठीक 10-12 पर गुरुदेव ने देवांशी के हाथ में ओघा रखा और मानो समग्र सृष्टि का सुख उसके हाथ में आ गया हो इस भाव के साथ देवांशी नाचने लगी और मंडप में दीक्षार्थी का जयघोष होने लगा। इसके बाद दीक्षार्थी देवांशी जब मुंडन कराकर और कपड़े बदलकर दीक्षा मंडप में प्रवेश किया तो बलर फॉर्म सहित वेसू का वातावरण नव दीक्षार्थी के जयकारों से गूंज मान हो गया। देवांशी को संयम जीवन की पूज्य साध्वी जी श्री दिगंतप्रज्ञाश्रीजी म.सा. नाम दिया गया।

गृह क्लेश में विवाहिता ने 2 साल के मासूम बेटे के साथ नहर में लगाई छलांग बेटे की मौत

गांधीनगर। गृह क्लेश से तंग एक विवाहिता ने अपने दो साल के बेटे के साथ नर्मदा नहर में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। इस घटना में मासूम बच्चे की मौत हो गई जबकि महिला को वहां से गुजर रहे लोगों ने बचा लिया। इस मामले में महिला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक मेहसाणा जिले के विजापुर तहसील के पामोल गांव के मूल निवासी तुलसी नटवरभाई राठौड़ अहमदाबाद के चांदखेडा क्षेत्र के एलीगन्स फ्लैट में परिवार के साथ रहते हैं। 15 साल पहले तुलसी राठौड़ की शादी विजापुर तहसील के खणोसा कोटडी गांव निवासी मनीषा के साथ समाज की रीति रिवाज के मुताबिक हुए थे। 15 साल के दांपत्य जीवन में एक बेटी 14 वर्षीय झलक और एक बेटा 2 साल का हेत है।

जबकि तुलसी राठौड़ के माता-पिता अलग रहते हैं। अहमदाबाद के एक ज्वैलर्स में नौकरी करने वाले तुलीश राठौड़ बीते दिन सुबह नौकरी पर निकल गए। शाम करीब 6 बजे के आसपास तुलसी राठौड़ जब कंपनी की गाड़ी में झुंडाल नहर से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे तब वहां लोगों की भीड़ देखी। भीड़ में अपनी पत्नी मनीषा को देख तुलसी राठौड़ चौंक उठे। तुलसी तुरंत पत्नी के पास पहुंच गए जहां पता चला कि उनकी पत्नी ने दो साल के बेटे के साथ नर्मदा नहर में छलांग लगाई थी। मनीषा को वहां से गुजर रहे लोगों ने बचा लिया जबकि दो साल के बेटे को काफी मशक्कत के बाद नहर से बाहर निकाला गया और दोनों को तुरंत गांधीनगर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने हेत को मृत घोषित कर दिया। अडालज पुलिस की जांच में पता चला कि तुलसी और मनीषा के बीच आए दिन लडाई झगड़े होते थे। गृह क्लेश से तंग आकर मनीषा ने अपने बेटे के साथ नहर में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया था। जिसमें बेटे की मौत हो गई।

कबूतरबाजी केस में एक और एजन्ट गिरफ्तार अब तक तीन आरोपी धरे गए

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने कबूतरबाजी के केस में एक और एजन्ट को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में क्राइम ब्रांच अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। तीनों आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि उन्होंने । में से 5 विद्यार्थियों को गैरकानूनी तरीके से अमेरिका भेजा था। लेकिन डिंगुचा परिवार को अवैध तरीके से अमेरिका भेजने के आरोप से इंकार कर दिया। बता दें कि गांधीनगर जिले के कलोल निवासी डिंगुचा दंपत्ति और दो बच्चों समेत चार लोगों की अमेरिका में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश करते समय मौत हो गई थी। गत 19 जनवरी 2022 की इस घटना के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही कबूतरबाजी का पर्दाफाश हुआ था। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एक साल बाद मामला दर्ज कर कलोल के भावेश पटेल और अहमदाबाद के योगेश पटेल को गिरफ्तार को दो दिन पहले ही गिरफ्तार किया है। भावेश पटेल और योगेश पटेल ही कबूतरबाजी के मास्टर माइंड हैं। इन दोनों एजन्टों ने कलोल और मेहसाणा के । लोगों अलग अलग देशों के रास्ते कनाडा भेजा था। जहां से अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश कराने वाले थे। फिलहाल भावेश पटेल और योगेश पटेल पुलिस रिमांड पर हैं। कबूतरबाजी के मामले में पुलिस ने अब दशरथ चौधरी नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दशरथ गांधीनगर का निवासी है और और गैरकानूनी तरीके से विदेश भेजने में बतौर सब एजन्ट काम करता होने का खुलासा हुआ है। आरोपी दशरथ ने कलोल निवासी प्रियंका और प्रीन्स नामक दो विद्यार्थियों को गैरकानूनी तरीके से अमेरिका भेजा था। दोनों विद्यार्थी पहले से गिरफ्तार योगेश पटेल के जरिए अमेरिका भेजे गए होने का जांच में सामने आया है। जांच में यह भी पता चला कि गिरफ्तार भावेश पटेल योगेश पटेल और दशरथ चौधरी ने मिलकर 5 लोगों को गैरकानूनी तरीके से अमेरिका भेजा था। लेकिन डिंगुचा परिवार को अमेरिका भेजने से साफ इंकार कर दिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि एक व्यक्ति को गैरकानूनी तरीके से अमेरिका भेजने पर उन्हें 5 लाख रुपए मिलते थे। अब तक । विद्यार्थियों को योगेश पटेल 3 को दशरथ पटेल और भावेश पटेल ने 3 विद्यार्थियों को गैरकानूनी तरीके से विदेश भेजा था। लेकिन अन्य दो विद्यार्थी किस कबूतरबाज के जरिए गैरकानूनी तरीके से अमेरिका बोर्डर पर पहुंचे उसकी जांच की जा रही है।

राजकोट की स्कूल में छात्रा की मौत के मामले में राज्य सरकार ने मांगी रिपोर्ट

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने राजकोट की जसाणी स्कूल की एक छात्रा मौत के मामले में रिपोर्ट मांगी है। मृत छात्रा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सरकार कोई कार्यवाही कर सकती है। बता दें कि राजकोट के गोंडल रोड स्थित एवी जसाणी स्कूल की कक्षा 8 की छात्रा रिया किरणकुमार सागर बीते दिन चालू कक्षा के दौरान बेहोश होकर गिर पड़ी थी। जिसके बाद रिया को तुरंत स्कूल वैन के जरिए राजकोट के दोशी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने रिया को मृत घोषित कर दिया था। घटना के बाद मृत रिया की माता जानकी सागर गंभीर आरोप के साथ ही अनुरोध किया कि मेरी बेटी जैसी घटना अन्य किसी के साथ ना हो इसके लिए ठंड के दौरान स्कूल का समय बदला जाए। कड़ाके की ठंड के बीच सुबह के वक्त बच्चों को स्कूल बुलाना उचित नहीं है। साथ ही बच्चों को स्कूल के स्वैटर पहनने को मजबूत मत करो। क्योंकि स्कूल के स्वैटर मौजूदा ठंड से सुरक्षित रखने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए बच्चों को इतनी छूट मिलनी चाहिए कि वह ठंड से राहत दिलाने वाले स्वैटचर पहन सकें। जानकी सागर ने कहा कि मैंने अपनी बेटी रिया

खोई है। रिया पूरी तरह तंदुरस्त थी और उसे कोई बीमारी नहीं थी। लेकिन कड़ाके की ठंड में लहू जमने से उसकी हृदय की सभी नलियां बंद हो गईं जिसमें मेरी बेटी पलभर में मुझे छोड़कर चली गई। दूसरी ओर राज्य में कड़ाके की ठंड को देखते हुए राजकोट जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी स्कूलों को सुबह का समय 8 बजे करने का आदेश दिया है। शिक्षाधिकारी बीएस कैला ने ठंड का प्रमाण देखते हुए स्कूल अपने समय में फेरबदल कर सकती हैं और इसका फैसला आचार्यस्तर पर किया जा सकता है। क्योंकि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। साथ ही शिक्षा अधिकारी ने कहा कि ठंडी के दौरान विद्यार्थियों को ज्यादा कपड़े पहनने से स्कूलें रोक नहीं सकतीं और ना ही निश्चित जगह से यूनिफार्म खरीदने को मजबूर कर सकती हैं।

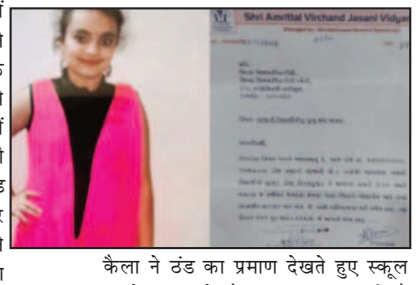

राज्यपाल के शिष्य सत्यप्रकाश आर्य ने बनारस से आकर 118वीं बार किया रक्तदान

गांधीनगर । हमारे प्रधानाचार्य ने अभ्यास के साथ-साथ सेवाभावना की सीख दी थी कि नि:स्वार्थ भाव से सेवा करो। हम इसी तरह सेवा करते आए हैं और करते रहेंगे राज्यपाल आचार्य देवव्रत के 64वें जन्मदिवस पर गांधीनगर- राजभवन में आयोजित रक्तदान शिविर में बनारस से रक्तदान करने और राज्यपालश्री को जन्मदिवस पर प्रणाम करने पहुंचे उनके शिष्य सत्यप्रकाश आर्य के यह शब्द हैं। आचार्य देवव्रतजी हरियाणा के कुरुक्षेत्र में गुरुकुल के प्रधानाचार्य थे तब उनके पास शिक्षा प्राप्त कर चुके सत्यप्रकाश आर्य ने 118 बार रक्तदान और 14 बार प्लेटलेट्स का दान किया है। वह मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान के साथ भी सक्रियता से जुड़े हैं। वह स्वयं और उनके परिवारजन राज्यपाल आचार्य देवव्रत और लेडी गवर्नर श्रीमती दर्शनादेवी- माताजी के जन्मदिवस पर निश्चित रूप से रक्तदान करते हैं। बनारस में योग प्रशिक्षक के तौर पर सेवाएं प्रदान करने वाले सत्यप्रकाश ने कहा कि प्रधानाचार्यज ने हमको शिक्षा के साथ स्वास्थ्य और संस्कारों की शिक्षा भी दी है। हम में सेवाभावना उत्पन्न की है। राज्यपाल ने मेरे जैसे अनेक शिष्यों को सिखाया है कि मूल्यनिष्ठ जीवन कैसे जिया जाता है। हम में संस्कारों का सिंचन किया है। सत्यप्रकाश ने आज राजभवन में 118वीं बार रक्तदान किया है।

प्रेमी प्रेमिकाओं की मूर्ति का रीति- रिवाज से अनोखा विवाह

तापी । गुजरात के तापी जिले में एक आदिवासी प्रेमी जोड़े की मरने के बाद उनकी मूर्ति बनाकर आदिवासी रीति रिवाज से उनकी शादी कराई गई। जीते जी यह युगल शादी नहीं कर पाए थे। मरने के बाद मूर्ति के रूप में इन दोनों की शादी उनके ही परिवारों ने कराई।

गणेश 21 वर्ष और रंजनाबैन 20 वर्ष के प्रेमी- प्रेमिका एक ही समुदाय के थे। गणेश के पिता दीपक ने बेटे को फटकार लगाई थी। उसके बाद गणेश और रंजना ने पेड़ की एक डाल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

यह मामला तापी जिले के नेवाड़ा गांव का है। मगन भाई धर्मदास भाई ने जानकारी देते हुए कहा कि दोनों परिवारों की रजामंदी से बच्चों की प्रतिमाओं का सामाजिक रीति-रिवाज से विवाह कराया गया है। दोनों प्रतिभाओं को एक ही स्थान पर रखा गया है। इस आयोजन में लड़के और लड़की पक्ष के सभी परिजन शामिल हुए। गुजरात में विशेष रूप से आदिवासी समुदाय में इस अनोखे विवाह की बड़ी चर्चा हो रही है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री भुपेन्द्र पटेल ने दी शुभकामनाएं

गांधीनगर । राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी के जन्मदिवस के अवसर पर आज गुजरात के मुख्यमंत्री भुपेन्द्रभाई पटेल ने शुभकामनाएं दी। राजभवन में राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी को गुलदस्ता अर्पण करते हुए मुख्यमंत्री श्री भुपेन्द्रभाई पटेल ने उनकी दीर्घायु की कामना की और राज्यपालश्री द्वारा जारी जनहित के कार्य जारी रहने की भी शुभकामनाएं दी। राज्यपाल के जन्मदिवस पर सेवाकार्य करते हुए राजभवन परिवार द्वारा राजभवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 903 युनिट एकत्र किया गया। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी पत्र भेजकर राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी हैं।

राजभवन परिवार द्वारा आज राज्यपालश्री आचार्य देवव्रतजी के जन्मदिवस पर सेवाकार्य के अंतर्गत राजभवन में सुबह 8 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। राज्यपाल के सुपुत्र गौरव आर्य का भी आज जन्मदिवस था। पुत्र गौरव आर्य और पुत्रवधु कविता ने भी इस शिविर के दौरान रक्तदान किया। गांधीनगर और अहमदाबाद के सिविल अस्पताल एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से

आयोजित इस रक्तदान शिविर में अनेक स्वैच्छिक संस्थाओं सेना- पुलिस के जवानों कॉलेज के विद्यार्थियों धार्मिक- सेवाभावी संगठनों युनिवर्सिटी के विद्यार्थियों सहित 78 जितनी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने रक्तदान किया। राज्यपाल के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. शशांक सिम्पी के संकलन से आयोजित इस रक्तदान शिविर में 903 युनिट रक्त एकत्र किया गया जिससे 20709 जितने लोगों के प्राण बचाए जा सकते हैं।

एक्सिस कम्युनिकेशंस ने पश्चिमी भारत में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए परेश अमीन को नियुक्त किया

एक्सिस कम्युनिकेशंस, मार्केट लीडर और नेटवर्क वीडियो में ग्रोथ लीडर, ने पार्थ अमीन को पश्चिम भारत में गुजरात क्षेत्र के लिए अकाउंट मैनेजर के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। पार्थ अमीन गुजरात में एक्सिस की उपस्थिति का विस्तार करने और बाजार में अग्रणी व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए जिम्मेदार होंगे।

नौ साल से अधिक के अनुभव के साथ एक अनुभवी पेशेवर के रूप में, वह एक्सिस के प्रमुख बाजारों में से एक का प्रबंधन करेगा और बिक्री और साझेदार क्षमताओं को बढ़ाकर कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करेगा। पार्थ के पास दूरसंचार, स्मार्ट शहरों और आईटी सहित उद्योगों में बिक्री, निष्पादन समाधान और कॉर्पोरेट रणनीति में विविध विशेषज्ञता है।

इस बारे में, एक्सिस कम्युनिकेशंस, भारत और सार्क के प्रबंध निदेशक, श्री सुधेंद्र होल्ला ने कहा, च्एक्सिस में पार्थ को हमारी विस्तार करने वाली टीम में शामिल करके हमें खुशी हो रही है।उनकी व्यापक बिक्री प्रबंधन पृष्ठभूमि और तकनीकी विशेषज्ञता गुजरात राज्य में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने और उद्योग को सहायता प्रदान करने में अमूल्य होगी।

यह महत्वपूर्ण नियुक्ति एक्सिस कम्युनिकेशंस की विकास को गति देने और अपने ग्राहकों के लिए अगली पीढ़ी के निगरानी समाधान देने की प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करती है। एक नेटवर्क प्रौद्योगिकी नेता के रूप में, एक्सिस वीडियो निगरानी, अभिगम नियंत्रण, इंटरकॉम और ऑडियो सिस्टम समाधान प्रदान करता है।एक्सिस के 50 से अधिक देशों में लगभग 4,000 समर्पित कर्मचारी हैं और ग्राहक समाधान देने के लिए दुनिया भर में प्रौद्योगिकी और सिस्टम एकीकरण भागीदारों के साथ सहयोग करते हैं।

एक्सिस कम्युनिकेशंस के पास प्रमुख नवाचारों का एक लंबा इतिहास है जैसे कि नेटवर्क कैमरों में दुनिया का पहला वीडियो एनालिटिक्स विकसित करना और अपने स्वयं के सिस्टम-ऑन-चिप को डिजाइन और निर्माण करना जो पूरी तरह से वीडियो निगरानी आवश्यकताओं से मेल खाता हो।अन्य अनूठी प्रौद्योगिकियां फुटेज को उच्चतम स्तर के विवरण में देखना, अंधेरे में भी देखना और बैंडविड्थ और भंडारण उपयोग को कम करना संभव बनाती हैं।

इसके अतिरिक्त, एक्सिस श्री नीरव ठक्कर को संचार और उपयोगकर्ता, स्मार्ट सिटी, परिवहन और पुलिस मामलों के लिए राष्ट्रीय प्रमुख खाता प्रबंधक के रूप में और अंतिम उपयोगकर्ताओं, सरकार और रक्षा मामलों के लिए मुख्य खाता प्रबंधक के रूप में श्री समीर शर्मा का भी स्वागत करता है।

रणबीर कपूर ने एशियन पेंट्स एपेक्स अल्टिमा प्रोटेक के नए अनूठे विज्ञापन में एक जादूगर और कॉन्ट्रैक्टर का डबल रोल निभाया

समय अपने साथ बदलाव लेकर आता है, लेकिन हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर सालोंसाल नया बना रहे। लोग अपनी बाहरी दीवारों को मौसम की मार, धूल-मिट्टी और प्रदूषण और इससे भी ज्यादा उसे नुकसान और बदरंग होने से बचाने के लिए ना जाने क्या-क्या तरकीबें अपनाते हैं। उनकी इस तलाश में, एशियन पेंट्स देशभर में भारतीयों का एक भरोसेमंद साथी रहा है। एशियन पेंट्स एपेक्स अल्टिमा प्रोटेक, अपनी लैमिनेशन गार्ड टेक्नोलॉजी के साथ, घर की बाहरी दीवारों को बारिश, धूप और धूल से पूरी सुरक्षा देता है। साथ ही 10 साल की परफॉर्मेंस वारंटी की भी पेशकश करता है।

अल्टिमा प्रोटेक के लिए नया विज्ञापन ओगिल्वी इंडिया ने परिकल्पित किया है और जाने-माने डायरेक्टर, अभिनय देव ने इसका निर्देशन किया है। इस नए विज्ञापन में सुपरस्टार रणबीर कपूर को पहले कभी ना देखी गई भूमिकाओं में दिखाया गया है- वे एक बेहतरीन जादूगर जो चीजों को गायब कर देने का करतब दिखा रहा है और आत्मविश्वास से भरपूर अल्टिमा प्रोटेक के एक कॉन्ट्रैक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। यह विज्ञापन बड़े ही दिलचस्प तरीके से यह बताने की कोशिश कर रहा है कि अल्टिमा प्रोटेक, आपके घर की बाहरी दीवारों को "बारिश, धूप और धूल" से बेहतरीन सुरक्षा प्रदान करता है। इस टीवी विज्ञापन के साथ-साथ, कैम्पेन को प्रिंट, ओओएच, पीओएस और डिजिटल पर भी प्रचारित किया जाएगा।

नए अल्टिमा प्रोटेक कैम्पेन के बारे में बताते हुए, अमित सिंगल, एमडी एवं सीईओ, एशियन पेंट्स लिमिटेड का कहना है, "यह सीधी सी सोच हमेशा से रही है कि लोग सबसे ज्यादा कीमती चीजों को लंबे समय तक रखने के लिए उन्हेंय लैमिनेट कराते हैं और हमारे घर सबसे बेशकीमती होते हैं। जब आप एशियन पेंट्स अल्टिमा प्रोटेक का इस्तेमाल करते हैं तो आप सिर्फ पेंट नहीं करते, बल्कि मौसम की अलग-अलग परेशानियों से लड़ने के लिए उसे लेमिनेट कराते हैं- ब्रांड का वादा है कि हम समय के साथ लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले कई सालों से रणबीर कपूर के अलग-अलग अवतारों के जरिए, 'लैमिनेशन' की बात लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की गई है। इससे ग्राहकों के व्यवहार में बदलाव देखा गया, जहां उन्होंने लैमिनेशन वाला पेंट मांगना शुरू कर दिया। इसी को आगे जारी रखते हुए, यह विज्ञापन दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान लाकर लैमिनेशन और एशियन पेंट्स अल्टिमा प्रोटेक के सहयोग को और मजबूत बनाना चाहता है।"

सुकेश नायक, चीफ क्रिएटिव ऑफिसर, ऑगिल्वी इंडिया का कहना है, "एशियन पेंट्स का अल्टिमा प्रोटेक लैमिनेशन वाला एक्स टीरियर पेंट का पर्याय रहा है। हमारा नया कैम्पेन इस सहयोग को आगे और मजबूती देता है। रणबीर कपूर द्वारा अभिनीत इस विज्ञापन में इस आइडिया को एक नए अंदाज में पेश किया गया है कि आपको अपने घरों को सुरक्षित और नया दिखाने के लिए बस अल्टिमा प्रोटेक की जरूरत है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)